राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

# विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 53
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
गुरुवार 22 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 नोएडा हादसा- बिल्डर को न्यायिक हिरासत में भेजा | पेज 4 लखनऊ में युवक की बेरहमी से गला रेतकर हत्या | पेज 6 आरसीबी और रॉयल्स 27 जनवरी तक बतायें घरेलू मैदान का नाम

## संक्षिप्त खबरें

### पंजाब में आज से 10 लाख का मुफ्त इलाज मिलेगा

**मोहाली।** पंजाबियों को आज से 10 लाख रुपए तक का फ्री इलाज मिलेगा। इसमें न कोई इनकम का चक्कर है और न ही एज लिमिट। पंजाब का आधार और वोटर कार्ड होना चाहिए और पूरा परिवार स्कीम का लाभ उठा सकता है। इससे 65 लाख परिवारों के करीब 3 करोड़ पंजाबियों को फायदा होगा। योजना की लॉन्चिंग के लिए आज (22 जनवरी) को मोहाली में कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें सीएम भगवंत मान के साथ आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल भी मौजूद रहेंगे। सरकार का कहना है कि इस स्कीम में हर तरह का खर्च शामिल होगा।

### अमृतसर में हिंदू देवी-देवताओं की फोटो की बेअदबी

**अमृतसर।** अमृतसर से हिंदू देवी-देवताओं की फोटो से आपत्तिजनक हरकतें करने का एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक पगड़ीधारी व्यक्ति न केवल देवी-देवताओं की फोटो पर पैर मार रहा है बल्कि थूक भी रहा है। यह वीडियो वायरल होने के बाद एक युवक उस व्यक्ति को ढूंढते हुए उसके घर तक पहुंच गया। जहां उसने आरोपी को थप्पड़ मारे, जिसके बाद वह माफी मांगने लगा। इस घटना से जुड़े 2 वीडियो सामने आए हैं। हिंदू नेताओं ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस को चेतावनी दी कि फिर मानसिक रोगी बताकर मामले को हल्का न करें।

## सुनीता विलियम्स 27 साल बाद रिटायर

**दिल्ली में बोलीं-भारत आना घर वापसी जैसा, चांद पर जाना चाहती हूं, लेकिन पति इजाजत नहीं देंगे**

**नई दिल्ली।** भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए।

सुनीता ने यह बात दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर सेमिनार में कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। सभी देश सहयोग के साथ आगे बढ़ें, बिल्कुल अंटार्कटिका मॉडल की तर्ज पर।

सुनीता ने 27 साल के बाद रिटायरमेंट ले लिया है। इसकी घोषणा नासा ने 20 जनवरी को की। उनकी रिटायरमेंट 27 दिसंबर 2025 से लागू होगी।

### सुनीता बोलीं- स्पेस से धरती देखने पर महसूस होता है कि हम सब एक हैं

60 साल की विलियम्स का आखिरी स्पेस मिशन सिर्फ 10 दिन का था, लेकिन वह साढ़े नौ महीने तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रहीं। सुनीता 27 साल पहले 1998 में नासा से जुड़ी थीं। उन्होंने नासा के 3 मिशन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए।

पहली बार वह 9 दिसंबर 2006 को अंतरिक्ष में गई थीं। सुनीता ने अंतरिक्ष में 9 स्पेसवॉक की। इस दौरान उन्होंने 62 घंटे 6 मिनट तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री में सबसे ज्यादा है। वह अंतरिक्ष में पहली बार मैराथन दौड़ने वाली यात्री भी बनीं।

## कल्याण-डोंबिवली में एमएनएस के 5 नगरसेवकों का शिंदे की शिवसेना को समर्थन

कल्याण। महाराष्ट्र में कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के 5 नगरसेवकों ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना को समर्थन देने की घोषणा की। शिवसेना राज्य में बीजेपी के साथ गठबंधन में है। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने इसकी पुष्टि भी की है। एमएनएस नेता और पूर्व विधायक राजू पाटिल ने कहा- नगर निगम में स्थिरता और सुचारु कामकाज सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला पार्टी प्रमुख राज ठाकरे की अनुमति से लिया गया है।

# दिल्ली-यूपी में बारिश का अलर्ट

**उत्तर भारत में जारी सर्दी का कहर : कश्मीर-हिमाचल में भारी बर्फबारी**

**नई दिल्ली।** भारत मौसम विभाग के अनुसार, एक तीव्र वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव से उत्तरी भारत में मौसम ने करवट ली है। हिमालयी क्षेत्रों में भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश-तूफान का दौर शुरू हो चुका है। कश्मीर, हिमाचल, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के लोगों को आज और अगले 2-3 दिनों तक सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

### कश्मीर और हिमाचल में भारी बर्फबारी का दौर

जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में 22 और 23 जनवरी को व्यापक बारिश/बर्फबारी के साथ कश्मीर घाटी में भारी बर्फबारी की संभावना।

हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में 23 जनवरी को भारी बर्फबारी का अलर्ट जारी। कई इलाकों में 30-50 किमी/घंटा की तेज हवाओं के साथ गरज-चमक भी।

सड़कें फिसलन भरी हो सकती हैं, भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। पर्यटकों और यात्रियों को सावधानी बरतने की अपील।

### दिल्ली-एनसीआर और यूपी में बारिश-गरज का असर

- दिल्ली में आज सुबह धुंध/कोहरा रहा, लेकिन शाम तक हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो सकती है। गरज-चमक और 30-40 किमी/घंटा की हवाओं का येलो अलर्ट।
- न्यूनतम तापमान 6-8, अधिकतम 24-26 के आसपास। बारिश के बाद ठंडक में बढ़ोतरी संभावित।
- उत्तर प्रदेश में पश्चिमी भागों (22-24 जनवरी) और पूर्वी यूपी (23-24 जनवरी) में हल्की-मध्यम बारिश। कई जिलों में गरज-चमक और तेज हवाओं (30-50 किमी/घंटा) का खतरा।

**सुरक्षा जांच**

जम्मू और कश्मीर के बिजबेहारा में गणतंत्र दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजमार्ग पर तलाशी और सुरक्षा जांच के दौरान पुलिसकर्मी।

## असम के कोकराझार में सेना तैनात

**गुवाहाटी।** असम के कोकराझार जिले में बुधवार को सेना तैनात कर दी गई है। मंगलवार को यहां बोडो और आदिवासी समुदायों के बीच झड़पों में दो लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद यहां हिंसा भड़क गई। हमलों की आशंका के चलते कई ग्रामीण अपना घर छोड़कर भाग गए हैं। रक्षा प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी को बताया कि सेना के जवानों ने मंगलवार रात करिगांव और उसके आसपास के इलाकों में गश्त की। बुधवार को इलाके में फ्लैग मार्च भी किया। प्रवक्ता के अनुसार, इस समय जिले में सेना की कुल चार टुकड़ियां तैनात हैं। स्थिति अब नियंत्रण में है। रैपिड एक्शन फोर्स पहले से ही इलाके में मौजूद है। पूरे कोकराझार जिले में निषेधाज्ञा लागू है। कोकराझार और चिरांग जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं भी सस्पेंड हैं।

# राहुल बोले- लालच की महामारी पूरे भारत में फैल गई

**जनता को सत्ता से जवाबदेही मांगनी होगी, सिस्टम सत्ता में बैठे लोगों के हाथ बिक चुका**

एजेंसी

**नई दिल्ली।** राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश भर में लालच की महामारी फैल चुकी है। इसका सबसे भयावह चेहरा शहरी बदहाली के रूप में सामने आ रहा है। लोगों को सरकार से जवाबदेही की मांग करनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता और बड़े कॉरपोरेट घरानों के बीच सांठगांठ के कारण लोकतंत्र की मूल भावना कमजोर हो रही है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब सवाल पूछे जाएंगे। राहुल ने यह टिप्पणी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में की।

### राहुल ने दिल्ली का वीडियो शेयर किया

राहुल ने मीडिया रिपोर्ट का वीडियो भी साझा किया, जो कथित तौर पर दिल्ली के मुबारकपुर डाबस स्थित शर्मा एन्क्लेव का है। वीडियो में सीवर ओवरफ्लो होने के कारण इलाके में फैले गंदे पानी को दिखाया गया है। उन्होंने कहा, आज हर आम भारतीय की जिंदगी ऐसी ही नर्क जैसी यातना बन चुकी है। सिस्टम सत्ता में बैठे लोगों के हाथ बिक चुका है। सब एक-दूसरे की पीठ थपथपाते हैं और फिर मिलकर जनता को कुचलते हैं।

उन्होंने कहा, देश भर में लालच की महामारी फैल चुकी है। शहरी सड़ांध इसका सबसे डरावना चेहरा है। हमारा समाज इसलिए मर रहा है क्योंकि हमने इस सड़ांध को 'न्यू नॉर्मल' मान लिया है। सुन्न, खामोश और उदासीन होकर। जवाबदेही की मांग कीजिए, नहीं तो यह सड़ांध हर दरवाजे तक पहुंच जाएगी।

### राहुल ने #TINA हैशटैग किया

राहुल ने अपने पोस्ट में #TINA (There Is No Accountability) हैशटैग किया। इससे कुछ दिन पहले, नोएडा में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत के बाद भी राहुल ने जवाबदेही की कमी का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि यह घटना भारत में फैल रही लालच की संस्कृति और अन्य जीवों के प्रति असंवेदनशीलता का सीधा नतीजा है।

# प्रयागराज में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश, तालाब में गिरा

**शहर के बीचों-बीच हवा में डगमगाया, माघ मेला से 3 किमी दूर हादसा**

**प्रयागराज।** प्रयागराज में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

हादसा बुधवार दोपहर करीब 12:20 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ। यह शहर के बीचों-बीच का इलाका है। तालाब के पास स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं। यहां से माघ मेले की दूरी 3 किमी है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, एयरक्राफ्ट क्रैश होने से पहले दोनों पायलट पैराशूट से कूद गए और तालाब में गिरे। वहां दलदल में फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। जिस तालाब में विमान गिरा है, वहां चारों तरह जलकुंभी उगी हुई है। सेना, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू शुरू किया। एयरक्राफ्ट को खींचकर तालाब के किनारे लाया गया है। पीआरओ डिफेंस विंग कमांडर देबार्थो धर ने बताया, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट ने दोपहर 12:15 बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।

## हैप्पी मॉर्निंग

जीजा- अच्छा ये बताओ, समझदार पत्नी क्या होती है?
साली- समझदार पत्नी वहीं होती है, जो अपने पति का बार-बार खर्चा करवाकर ऐसी हालत कर दे, कि वो दूसरी औरत के बारे में सोचना ही छोड़ दे.....

## शायरी

यहां तो सिर्फ गूंगे और बहरे लोग बसते हैं
खुदा जाने यहां पर किस तरह का जलसा हुआ होगा

## अर्थसार

सेंसेक्स:
81,909.63
-270.84 (0.33%)
निफ्टी:
25,157.50
-75.00

## मौसम

अधिकतम : 23 डिग्री से0
न्यूनतम : 08 डिग्री से0
सूयोदय शनिवार : 7 : 28
सूर्यास्त शुक्रवार : 5 : 56

# नेशनल हाईवे पर टोल बकाया होने पर गाड़ी ट्रांसफर और फिटनेस नहीं मिलेगी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** नेशनल हाईवे पर टोल टैक्स बकाया होने की स्थिति में अब वाहन का स्वामित्व ट्रांसफर नहीं हो सकेगा।

ऐसे मामलों में न तो वाहन के लिए एनओसी जारी की जाएगी और न ही नया फिटनेस सर्टिफिकेट बनाया जाएगा। केंद्र सरकार ने टोल चोरी रोकने और डिजिटल टोल सिस्टम को मजबूत करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2026 लागू किए हैं।

इन नियमों के तहत केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में बदलाव किया गया है। सरकार का मकसद नेशनल हाईवे पर टोल वसूली को सख्ती से लागू करना और बिना टोल चुकाए गाड़ी निकालने की समस्या को रोकना है।

नए नियमों के अनुसार, राष्ट्रीय परमिट के लिए आवेदन करने वाली व्यावसायिक गाड़ियों पर कोई भी टोल बकाया नहीं होना चाहिए। अगर टोल बाकी है, तो गाड़ी से जुड़े फिटनेस और दूसरे जरूरी काम अटक सकते हैं।

# सुप्रीम कोर्ट बोला- कोई भी शक्ति अनियंत्रित नहीं हो सकती

**एसआईआर के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, 7 दस्तावेज तय तो 11 क्यों मांग रहे**

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची में संशोधन के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, खासकर उन लोगों के लिए जिनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल नहीं होते। कोर्ट ने कहा 'कोई भी शक्ति अनियंत्रित नहीं हो सकती।'

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बैंच बिहार समेत विभिन्न राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया के विरोध में लगाई गई याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

इस दौरान चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने दलीलें रखीं।

जस्टिस बागची ने दस्तावेजों की सूची का जिक्र करते हुए कहा कि जहां फॉर्म-6 में 7 दस्तावेज तय हैं, वहीं एसआईआर प्रक्रिया में 11 दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।

उन्होंने पूछा कि क्या आयोग मनमाने ढंग से दस्तावेज जोड़-घटा सकता है। मामले की आगे की सुनवाई गुरुवार को होगी।

**ऑनर किलिंग** | **मुरादाबाद में तीन दिन से लापता थे, मंदिर के पीछे खेत में मिलीं लाशें**

# बहन और उसके प्रेमी को फावड़े से काटकर दफनाया

**मुरादाबाद।** मुरादाबाद में ऑनर किलिंग की घटना सामने आई है। एक टीचर और उसके प्रेमी की 3 भाइयों ने मिलकर हत्या कर दी। दोनों की लाश गांव के मंदिर के पीछे खेत में दफना दीं। पुलिस ने बुधवार रात मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में दोनों शव बाहर निकलवाए। इसके बाद उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

मामला अलग-अलग समुदाय का है। पुलिस ने प्रेमी के पिता की शिकायत पर टीचर के भाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दो भाइयों को हिरासत में लिया गया है। घटना मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र की है।

### अब पढ़िए पूरा मामला

उमरी सब्जीपुर गांव में काजल रहती थी। काजल पढ़ाई कर रही थी, साथ ही एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाती भी थी। उसका गांव के ही अरमान के साथ पिछले दो साल से अफेयर चल रहा था। 18 जनवरी (रविवार) की रात अरमान अपनी प्रेमिका काजल से मिलने उसके घर पहुंच गया। वहां काजल के घरवालों ने दोनों को एक साथ देख लिया।

गुस्से में आकर घरवालों ने अरमान और काजल को पकड़ लिया। फिर दोनों की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद सबूत मिटाने के उद्देश्य से दोनों के शवों को गांव से दूर गागन नदी के किनारे नीम करोली बाबा मंदिर के पास ले गए। फिर वहां गड्ढा खोद कर जमीन में दफन कर दिए।

उधर, अरमान के घरवाले पिछले तीन दिनों से उसकी तलाश में थाने के चक्कर काट रहे थे। घरवालों का आरोप है कि उन्होंने पुलिस को अनहोनी की आशंका जताते हुए शिकायत भी की। लेकिन, पुलिस ने उनकी बातों को अनसुना कर दिया। पुलिस की इसी टालमटोल की वजह से तीन दिनों तक आरोपियों को सबूत छिपाने का मौका मिला।

### शक के आधार पर युवती के भाइयों को उठाया

एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया- युवक और युवती आपस में परिचित थे। गहराई से पड़ताल करने के बाद युवती के भाइयों पर हमें शक हुआ। पुलिस ने युवती के दो भाइयों को हिरासत लेकर सख्ती से पूछताछ की, तो उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया। बताया कि उन्होंने अपनी बहन और उसके प्रेमी की हत्या कर दी है। दोनों का शव मंदिर के पीछे एक खेत में दबा दिया है।

# ट्रम्प बोले- ग्रीनलैंड चाहिए, लेकिन ताकत इस्तेमाल नहीं करेंगे

**दावोस।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर कब्जे के प्लान को दुनिया के सामने सही ठहराया है। उन्होंने बुधवार को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कहा कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा अमेरिका के अलावा कोई और देश नहीं कर सकता।

हालांकि पहली बार ट्रम्प ने यह कहा कि ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए अमेरिका ताकत का इस्तेमाल नहीं करेगा। इस पर कब्जे का विरोध करने के लिए उन्होंने डेनमार्क को अहसान फरामोश कहा।

उन्होंने शिकायती लहजे में कहा कि वे बस एक बर्फ का टुकड़ा चाहते हैं जिसे यूरोप देने को तैयार नहीं है। अमेरिका इसे हमेशा याद रखेगा। ट्रम्प ने कहा कि यूरोप गलत दिशा में जा रहा है। ट्रम्प ने फ्रांस, कनाडा जैसे देशों की भी आलोचना की। उन्होंने सोमालिया के लोगों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और कहा कि वे कम बुद्धि वाले और समुद्री डाकू हैं।

भाषण के बाद ट्रम्प ने इंडियन मीडिया से बात करते हुए पीएम मोदी की तारीफ की और उन्हें अपना दोस्त बताया।

# संपादकीय

## आतंकवाद के खात्मे की राह में कई रोड़े



जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में यह समस्या दशकों से जड़ें जमा चुकी है। हाल के वर्षों में सरकार ने सख्त नीतियां अपनाईं—नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 से घटकर 11 रह गई, 2025 में 317 नक्सली मारे गए, और पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर में मात्र 22 मिनट में पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर 100+ आतंकियों का सफाया किया गया। फिर भी, आतंकवाद का पूर्ण उन्मूलन अभी दूर है। कई गंभीर रोड़े इस राह में खड़े हैं, जो सुरक्षा एजेंसियों, नीति-निर्माताओं और समाज के सामने चुनौती बने हुए हैं।

### सीमा पार आतंकवाद : पाकिस्तान का लगातार प्रायोजन

भारत के लिए सबसे बड़ी बाधा सीमा पार से संचालित आतंकवाद है। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे संगठन घुसपैठ, ड्रोन हमले और प्रॉक्सी युद्ध जारी रखे हुए हैं। अप्रैल 2025 के पहलगाम हमले ने साबित किया कि सीजफायर के बावजूद खतरा कम नहीं हुआ। पाकिस्तान आईएसआई के समर्थन से फंडिंग, हथियार और प्रशिक्षण मिलता रहता है। अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद, पाकिस्तान आतंकवाद को रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है। अमेरिकी थिंक टैंक ष्ट्स्नक्रकी 2026 रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि कश्मीर में बढ़ती आतंकी गतिविधियां भारत-पाकिस्तान के बीच सशस्त्र टकराव की मध्यम संभावना पैदा कर सकती हैं। इस रोड़े को हटाने के लिए कूटनीतिक अलगाव, FATF जैसे मंचों पर दबाव और मजबूत बॉर्डर मैनेजमेंट जरूरी है, लेकिन पड़ोसी देश की मंशा बदलना मुश्किल है।

### नार्को-आतंकवाद और वित्त पोषण की जटिल चुनौती

आतंकवाद का फंडिंग सोर्स अब नारको-ट्रैफिकिंग से जुड़ गया है। पंजाब, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में ड्रग्स की तस्करी से मिले पैसे आतंकी गतिविधियों में लगते हैं। ORF की रिपोर्ट के अनुसार, नार्को-आतंकवाद राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए विशाल खतरा है। क्रिप्टोकरेंसी, हवाला और डार्क वेब के जरिए फंड ट्रांसफर आसान हो गया है। भ्रष्टाचार, कमजोर अंतर-एजेंसी समन्वय और क्षमता की कमी से यह चुनौती और जटिल हो जाती है। NODC भी टेरर फाइनेंसिंग की डायनामिक प्रकृति को बड़ी बाधा मानता है। 2026 में एआई-जनरेटेड डीपफेक और एनक्रिप्टेड प्लेटफॉर्म से sleeper cells सक्रिय हो सकते हैं।

### आंतरिक सुरक्षा में समन्वय की कमी और संस्थागत कमजोरियां

देश के अंदर नक्सलवाद, अलगाववादी आंदोलन और धार्मिक कट्टरता जैसे मुद्दे बने हुए हैं। हालांकि नक्सलवाद पर करारा प्रहार हुआ है—अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से इसका उन्मूलन का लक्ष्य रखा है—फिर भी जड़ें गहरी हैं। गरीबी, आर्थिक असमानता, भूमि विवाद और विकास की कमी उग्रवाद को पनपने का मौका देती हैं। खुफिया एजेंसियों में समन्वय की कमी, राज्य-केंद्र के बीच तनाव और न्यायिक देरी (कम सजा दर) आतंकवादियों को राहत देते हैं। पूर्वोत्तर में जातीय-नृजातीय संघर्ष और साइबर रेडिकलाइजेशन नई चुनौतियां हैं।

### सामाजिक-राजनीतिक रोड़े : रेडिकलाइजेशन और मानवाधिकार संतुलन

आतंकवाद को किसी धर्म या समुदाय से जोड़ने से बचना जरूरी है, लेकिन सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और प्रोपेगैंडा युवाओं को रेडिकल बनाता है। विविध समाज में एकता बनाए रखना, मानवाधिकारों का सम्मान करते हुए सख्त कार्रवाई करना दुविधा पैदा करता है। पुलिस की राजनीतिक दुरुपयोग और कमजोर जांच से विश्वासघात होता है।

### निष्कर्ष : सतत प्रयासों की जरूरत

आतंकवाद का खात्मा एकतरफा नहीं हो सकता। मजबूत खुफिया, बॉर्डर सिक्योरिटी, आर्थिक विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समाज में जागरूकता से ही सफलता मिलेगी। मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी ने 2025 में निर्णायक कदम उठाए, लेकिन 2026 में हाइब्रिड थ्रेट्स (टेरर + क्राइम + टेक्नोलॉजी) नई परीक्षा लेंगे। यदि ये रोड़े नहीं हटाए गए, तो आतंकवाद की छाया बनी रहेगी। देश को एकजुट होकर इस अभिशाप से मुक्ति दिलानी होगी।

## मददवीर अग्निवीर

सेना में अग्निवीर योजना के क्रियान्वयन के वक्त इनकी अल्पकालिक सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन अब धीरे-धीरे कई आशंकाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। प्रशिक्षित अग्निवीरों के लिये नये-नये अवसर बन रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य में गठित होने जा रही डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। यह सुखद ही है कि अग्निपथ योजना के पहले बैच के सेवा काल की समाप्ति से पहले हरियाणा सरकार ने उनके समायोजन की पहल की है, जिसका अनुकरण देश के अन्य राज्यों को भी करना चाहिए। जिससे इस कुशल-प्रशिक्षित युवा शक्ति की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल की पहल हो सके। दरअसल, हरियाणा में स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को वरीयता देने की बात कही गई है। निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। दरअसल, हरियाणा में सरकार ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में गठित होने वाली एसडीआरएफ बटालियन में अधिकतम संख्या अग्निवीरों की ही होगी। विश्वास किया जा रहा है कि अग्निवीरों वाली एसडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं मसलन बाढ़, भूकंप, औद्योगिक दुर्घटनाओं, अग्निकांडों व रासायनिक आपदाओं की चुनौती का सफलता से मुकाबला कर सकेगी। माना जा रहा है कि अग्निवीरों को मिला कठोर प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों से मुकाबले में मददगार साबित होगा। दरअसल, ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में तीव्र गति से कार्रवाई करते नागरिकों के जीवन की रक्षा करने की प्राथमिकता होती है। जो प्रशिक्षित और अनुभवी टीम के द्वारा ही संभव हो सकता है। कहा जा रहा है कि राज्य की सभी डिविजनों में क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात की जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में नोएडा में धुंध के चलते हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवा इंजीनियर की मौत हुई। बेटे को मौत के मुंह में समाते देख असहाय पिता ने पुलिस से मदद मांगी। लेकिन मदद के लिये पहुंची टीम के पास इस चुनौती का मुकाबला करने के लिये जरूरी उपकरण व अनुभव नहीं था। ऐसे में युवा इंजीनियर ने पिता के सामने ही डूबकर दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद तमाम लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद आपदा राहत बल को प्रशिक्षित करने और जीवन रक्षा के तमाम उपकरण उपलब्ध कराने की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे में हरियाणा में एसडीआरएफ बटालियन के गठन और उसमें प्रशिक्षित व अनुभवी अग्निवीरों की तैनाती की घोषणा के बाद उम्मीद जगी है कि हरियाणा की सुरक्षा कुशल हाथों में रहेगी। तब प्राकृतिक, औद्योगिक व आगजनी आदि की घटनाओं में जन-क्षति को कम करने में मदद मिल सकेगी।

# ग्रीनलैंड में बर्फ के नीचे ऐसा क्या है, जिसके लिए ट्रंप पागल हो रहे हैं?

अभिनय आकाश




रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन ये कहते हैं कि यूक्रेन पर हमारा नियंत्रण हमारी सुरक्षा के लिए जरूरी है। क्योंकि नाटो हमारी दहलीज पर आया तो अमेरिका और पूरा पश्चिम चिल्लाता है कि यह तानाशाही है। रूस ने तो आक्रमण कर दिया।

आठ जंग रुकवाने का दावा करने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल की शुरुआत से क्या-क्या किया? वेनेजुएला में सेना उतार कर राष्ट्रपति को उठवा लिया। ईरान पर हमले की धमकी दे दी। तमाम देशों पर नए टेरिफ लगाने की भी धमकी दे डाली। और अब ईरान में हालात सामान्य होने की बात कह के ग्रीनलैंड की तरफ रुख कर लिया। सेल्फ एक्लेम्ड पीस प्रेसिडेंट ने कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कंट्रोल से कम कुछ भी स्वीकार नहीं है। रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन ये कहते हैं कि यूक्रेन पर हमारा नियंत्रण हमारी सुरक्षा के लिए जरूरी है। क्योंकि नाटो हमारी दहलीज पर आया तो अमेरिका और पूरा पश्चिम चिल्लाता है कि यह तानाशाही है। रूस ने तो आक्रमण कर दिया। लोकतंत्र की हत्या हो रही है। लेकिन जब वही अमेरिका वही डोनल्ड ट्रंप ये कहते हैं कि ग्रीनलैंड पर हमारा कब्जा हमारी सुरक्षा के लिए जरूरी है। क्योंकि ऐसा हो सकता है कि चीन और रशिया वहां आ जाए। तो अमेरिका उसे स्ट्रेटजी बता रहा है, डील बता रहा है। दरअसल, ग्रीनलैंड की कहानी जो है वो सिर्फ जमीन के टुकड़े की नहीं है। वो दुनिया के बदलते नियमों की है।

### वाशिंगटन से लेकर ब्रूसेल्स तक ट्रंप ने मचाया हड़कंप

17 जनवरी 2026 जब यूरोप में लोग सो रहे थे तब डोनाल्ड ट्रंप ने अपनों को भी झटका दे दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने एक फरमान जारी किया जिससे वाशिंगटन से लेकर ब्रूसेल्स तक हड़कंप मच गया। डॉनल्ड ट्रंप लिखते हैं कि डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूके, नीदरलैंड और फिनलैंड। ये सभी देश जो ग्रीनलैंड पहुंचे हैं। पता नहीं किस इरादे से। यह खतरनाक स्थिति है। इसलिए जब तक ग्रीनलैंड की पूर्ण और कुल खरीद के लिए डील नहीं हो जाती तब तक 1 फरवरी से इन पर 10% टेरिफ और 1 जून से 25% टेरिफ लगाता। डोनाल्ड ट्रंप नाटो के देशों पर टेरिफ लगा रहे थे। वैसे ही जैसे भारत पर लगाया था जब भारत ने उनकी बात नहीं मानी थी। ट्रंप का यह जो ऐलान था यह अचानक नहीं था। इसके पीछे ईगो फैक्टर था क्योंकि इन आठ देशों ने डॉनल्ड ट्रंप के ईगो को डेंट कर दिया था। वो ठोकर मारी थी जो अंदर चुभ रही थी। असल में अमेरिका ने जब ग्रीनलैंड को खरीदने या कब्जाने की शुरुआती धमकियां दी तो यही वो आठ यूरोपीय देश थे जिन्होंने डेनमार्क के साथ कहा कि हम खड़े रहेंगे। मजबूती से रहेंगे।

### ग्रीनलैंड में सेना भेजा तो ट्रंप ने निकाला टैरिफ वाला हथियार

यह मजबूती दिखाने के लिए नाटो के उसूलों का सम्मान करते हुए इन आठ देशों ने अपने सैनिक जो हैं वो ग्रीनलैंड भेज दिए। इनडायरेक्टली ये अमेरिका को एक बड़ा संदेश था कि ग्रीनलैंड अकेला नहीं है। हाथ मत लगाना। लेकिन ट्रंप जो अपने ईगो के लिए जाने जाते हैं ना खाता ना वही जो हम सोच रहे हैं बस वही सही। उन्होंने इसे अपनी शान के खिलाफ मान लिया। 1 फरवरी से इन सभी आठ देशों के सामानों पर 10% एक्स्ट्रा टेरिफ लगा दिया गया। धमकी दी गई कि अगर 1 जून तक ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के मन मुताबिक समझौता नहीं हुआ। यानी ग्रीनलैंड अमेरिका को नहीं सौंपा गया तो यह टेरिफ बढ़कर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा। यह 25 प्रतिशत किसी दुश्मन देश पर नहीं लगाया गया। यह उन दोस्तों पर लगाया गया है जो पिछले 75 सालों से हर युद्ध में अमेरिका के कंधे से कंधा मिलाकर लड़ रहे थे।

### कितना जरूरी है ग्रीनलैंड

ग्रीनलैंड का महत्व उसकी लोकेशन में निहित है। ग्रीनलैंड जो है वो आर्कटिक रीजन के आठ देशों में से एक है। ऐसे तो यह डेनमार्क का हिस्सा है लेकिन ऑटोनॉमस टेरिटरी है यानी स्वायत्त क्षेत्र। इसका 80% हिस्सा बर्फ से ढका है और बर्फ की भी 4 किमी मोटी परत है। लेकिन अब यह पिघल रही है। आर्कटिक रीजन बाकी दुनिया के मुकाबले चार गुना रफ्तार से तप रहा है। करीब 26 लाख स्क्वायर किमी बर्फ गायब हो चुकी है। डाटा के मुताबिक इसी बर्फ के नीचे दुनिया की 30% अनएक्सप्लोर्ड गैस और 13% अनएक्स्लोर्ड ऑयल यह छुपे हुए हैं। इसके अलावा यहां कीमती धातुएं सोना, प्लैटिनम, जस्ता और लौ, अयस्क, तांबा, सीसा, मोलिब्डेनम और टाइटेनियम यह सब भी मौजूद बताए जाते हैं। इन सब वजहों से इस आइलैंड पर ट्रंप ही नहीं रूस और चीन की भी नजर बनी रहती है। शीत युद्ध के दौरान, ग्रीनलैंड-आइसलैंड-यूके गैप नाटो की समुद्री रणनीति का केंद्रीय तत्व था, जो अटलांटिक में प्रवेश करने वाली सोवियत पनडुब्बियों की निगरानी को संभव बनाता था। दशकों तक आर्कटिक एक जमे हुए बफर की तरह रहा- दूरस्थ, दुर्गम और लंबे समय तक चलने वाली प्रतिस्पर्धा से लगभग अप्रभावित।

लेकिन अब जलवायु परिवर्तन आर्कटिक को एक सक्रिय क्षेत्र में बदल रहा है। पिघलती बर्फ नए समुद्री मार्ग खोल रही है। साथ ही, हाइपरसोनिक हथियारों, लंबी दूरी के सटीक प्रहार, अंतरिक्ष-आधारित सेंसर, मिसाइल रक्षा और समुद्रगत प्रणालियों में प्रगति दूरी को लगातार समेट रही है। ऐसे में ग्रीनलैंड हाशिये से खिसककर अग्रिम रणनीतिक क्षेत्र में बदल जाता है। जो दूरी कभी सुरक्षा देती थी, वह सिमट रही है; प्रतिक्रिया का समय घट रहा है; और अमेरिकी मुख्यभूमि के लिए चेतावनी का अंतराल सिकुड़ता जा रहा है।

### बर्फ के नीचे छिपा अरबों खरबों डॉलर का खजाना

आज की दुनिया तेल पर नहीं चिप्स और बैट्रियों पर चलती है। आपका द्धक्कद्धश्ठ्ठद्ग हो, टेस्ला कार हो या फिर स्न35 फाइटर जेट सबको चलने के लिए यह मिनरल्स चाहिए। फिलहाल इन पर चीन का राज है। अमेरिका जानता है कि भविष्य का तेल यही मिनरल है और यह खेल सिर्फ सरकार का नहीं बड़े-बड़े अरबपति जैसे बिल गेट्स, पीटर थील भी ग्रीनलैंड के खनिजों में पानी की तरह ऐसा बहा रहे हैं। कोबोल्ड मेटल्स जैसी कंपनियां वहां खुदाई की तैयारियां कर रही हैं। उन्हें पता है कि भविष्य का सोना यहीं छिपा है। बर्फ पिघलने से नए समुद्री रास्ते खुल रहे हैं। जिसे पोलर सिल्क रोड कहा जा रहा है। जो जहाज एशिया से यूरोप जाने के लिए स्विज़ नहर का लंबा रास्ता लेते थे। वो भविष्य में ग्रीनलैंड के ऊपर से गुजरेंगे। यह रास्ता दूरी को 40% तक कम कर देगा। ग्रीनलैंड वो चेक पोस्ट है जो आने वाले 100 सालों तक वैश्विक व्यापार को नियंत्रित करेगा। भारत के उदाहरण से समझें। सियाचिन ग्लेशियर का कोई विशेष आर्थिक मूल्य नहीं है, उस पर भारी लॉजिस्टिक लागत भी आती है और वह अनुभवी सैनिकों के लिए भी अत्यंत दुर्गम है। इसके बावजूद भारत दशकों से सियाचिन पर कायम है। क्योंकि उसे खाली करने का अर्थ होगा पाकिस्तान को ऐसे भू-भाग पर कब्जा करने देना, जो भले ही आज सीमांत लगे, लेकिन भविष्य में उपयोग में लाया जा सकता है।

एक बार ऐसा इलाका हाथ से निकल जाए तो उसे वापस हासिल करना कई गुना महंगा पड़ता है। इसलिए सियाचिन पर बने रहने का फैसला तात्कालिक सामरिक लाभ से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक दूरदृष्टि से उपजा है। अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड भी कुछ ऐसा ही है।

### अमेरिका के सीक्रेट शहर की कहानी क्या है

क्या आप जानते हैं कि ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे अमेरिका का एक सीक्रेट शहर आज भी दबा हुआ है। बात है 1960 के दशक की। शीत युद्ध अपने चरम पर था। उस वक्त कोल्ड वॉर में अमेरिका ने ग्रीनलैंड में एक बेहद खुफिया मिशन चलाया था जिसका नाम था प्रोजेक्ट आइस वर्म। प्लान बेहद खतरनाक था। अमेरिका ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर के नीचे हजारों किलोमीटर लंबी सुरंगे खोदकर एक पूरा शहर कैम सेंचुरी बसाना चाहता था। वहां 600 परमाणु मिसाइलें तैनात करने की योजना थी जो लगातार चलती रहती और सोवियत संघ के निशाने पर होती। अमेरिका ने वहां पर सिनेमा हॉल, चर्च और रहने की भी जगह बनाई थी। सब कुछ बर्फ के नीचे लेकिन कुदरत से कोई नहीं जीत पाया। ग्लेशियर की बर्फ खिसकने लगी और वो पूरा शहर दब गया। प्रोजेक्ट को छोड़ना पड़ा। अब ग्लोबल वार्मिंग से जब बर्फ पिघल रही है तो जहर के बाहर आने का खतरा भी मंडरा रहा है। यही नहीं साल 1968 में अमेरिका का एक क्क2 बम वर्षक विमान जिसमें चार हाइड्रोजन बम थे। ग्रीनलैंड में क्रैश हो गया। उस हादसे को ब्रोकन एरो कहा जाता है। ट्रंप कहते हैं ग्रीनलैंड सुरक्षित नहीं है। लेकिन सच तो यह है। ग्रीनलैंड को सबसे ज्यादा खतरा खुद अमेरिका के प्रयोगों से हो रहा है।

### अब आगे क्या

अमेरिका की नीति नैटो देशों के साथ परंपरागत संबंध बनाए रखने की रही है। लेकिन वहां एक बड़े वर्ग की सोच थी कि यूरोपीय देशों में अनेक अमेरिकी नीतियों के साथ नहीं चलते, उसका विरोध करते हैं जबकि अमेरिकी सैन्य शक्ति से ही उनकी धाक है। उनका सवाल यह भी था कि जब सोवियत संघ खत्म होने के साथ उसके सैन्य ढांचे समाप्त हो गए तो नाटो की आवश्यकता ही क्या है? ट्रंप नाटो को खत्म नहीं कर रहे, पर उनकी अगुआई में अमेरिका अपने हिसाब से इसका संचालन सुनिश्चित करने की ओर अग्रसर है।

बहरहाल, इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के इस रुख और व्यवहार का विरोध करने वाले भी बड़ी संख्या में हैं। बावजूद इसके, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि उन्हें अमेरिका के प्रभुत्व और प्रभाव का पूरे विश्व को अहसास कराने और उसे आर्थिक व सामरिक रूप से पहले से ज्यादा सुरक्षित बनाने और दुनिया में अमेरिका केंद्रित विश्व व्यवस्था का रास्ता तैयार करने वाला नेता माना जाएगा।

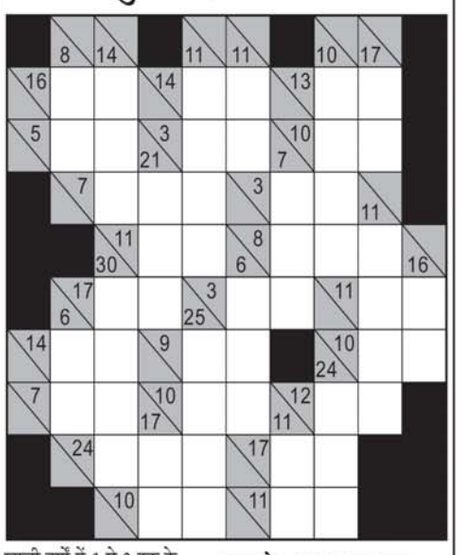

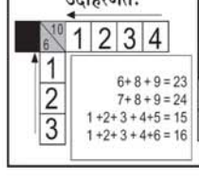

# टाईम पास

## काकुरो पहेली - 3778

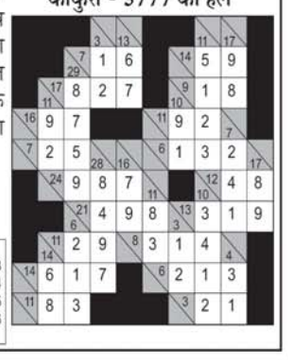



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:



6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3777 का हल



## हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

□ □ □

जज (अभियुक्त से) - तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से) - दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

□ □ □

एक ग्राहक होटल के बैरे से- अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

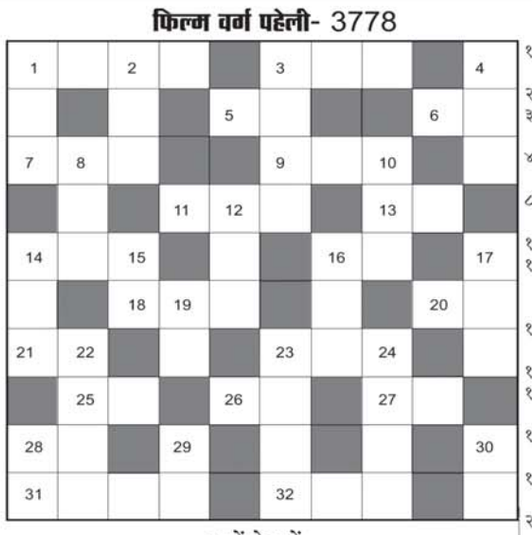

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

□ □ □

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

## फिल्म वर्ग पहेली- 3778



**बायें से दायें:-**

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3777



## सूडोकु -3778

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | | | 9 | | 6 | 1 | | 8 |
| 6 | 8 | | | | | | | |
| | 1 | 7 | 3 | 8 | | 4 | | |
| 3 | 4 | | 6 | | 7 | | | 9 |
| 5 | | 1 | 8 | | | 2 | | 7 |
| 2 | | | 5 | | 1 | | 8 | 4 |
| | | 3 | | 7 | 5 | 8 | 6 | |
| | | | | | | | 9 | 5 |
| 7 | | 6 | 2 | | 8 | | | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3777 का हल

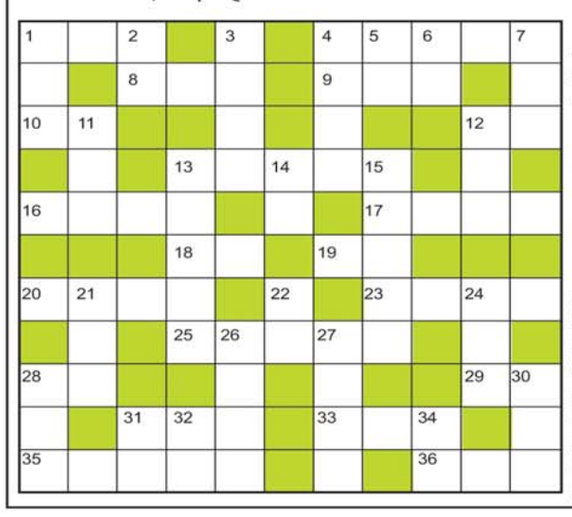

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | 1 | 7 | 4 |
| 4 | 5 | 3 | 2 | 1 | 7 | 9 | 8 | 6 |
| 7 | 1 | 6 | 4 | 8 | 9 | 2 | 5 | 3 |
| 8 | 2 | 5 | 6 | 9 | 1 | 3 | 4 | 7 |
| 3 | 6 | 4 | 7 | 2 | 5 | 8 | 1 | 9 |
| 1 | 7 | 9 | 8 | 3 | 4 | 5 | 6 | 2 |
| 5 | 4 | 1 | 9 | 7 | 2 | 6 | 3 | 8 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 4 | 8 | 7 | 9 | 5 |
| 9 | 8 | 7 | 5 | 6 | 3 | 4 | 2 | 1 |

## शब्द पहेली - 3778



**बाएँ से दाएँ**

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

**ऊपर से नीचे**

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली - 3777 का हल

# नोएडा हादसा- बिल्डर को न्यायिक हिरासत में भेजा

## कोर्ट ने जमकर फटकार लगाई, पूछा- नाली और बैरिकेट के लिए कौन जिम्मेदार है

### प्राधिकरण के सीईओ को हटाया गया

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को हटा दिया गया है। हादसे के लिए जिम्मेदार हर चेहरे को सामने लाने की जिम्मेदारी एसआईटी को दी गई है। एसआईटी की टीम ने युवराज के पिता राजकुमार से उस रात का पूरा ब्यौरा लिया। पिता ने अपनी आंखों के सामने अपने बेटे युवराज को कार के साथ डूबते हुए देखा था। राजकुमार ने कहा- मैं सामने था। लेकिन कोई भी पानी में नहीं उतरा। मेरा बेटा चीख रहा था।

**नोएडा।** नोएडा के सेक्टर 150 में इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच-पड़ताल की। तथ्यों के साक्ष्य जुटाएं। एसआईटी की रिपोर्ट में फॉरेंसिक के फैक्ट्स फाइंडिंग मामले में अहम भूमिका निभाएंगे। दरअसल एसआईटी की टीम को 24 जनवरी तक सीएम योगी को इस मामले की फाइनल रिपोर्ट सौंपनी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस हादसे पर नाराज हैं।

इसके साथ ही युवराज की मौत के मामले में आज आरोपी बिल्डर अभय को फिर से न्यायिक हिरासत में भेजा गया। अब 27 को फिर पेश होगा। बता दें, कल ही बिल्डर को गिरफ्तार किया गया था। एक दिन की रिमांड खत्म होने के बाद आज आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस मामले में लापरवाही को लेकर जमकर फटकार लगाया।

कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी देते हुए पुलिस को निर्देश दिया कि जांच में ये भी साफ होना चाहिए कि लापरवाही किसकी है। नाली अगर टूटी है तो उसका जिम्मेदार कौन है। इतना ही नही बैरिकेट अगर नही लगा है तो उसका जिम्मेदार कौन है। ये सब जांच का हिस्सा होना चाहिए। क्योंकि जब कुछ सालों से इसको लेकर शिकायत की जा रही थी, तो उचित समय पर कार्यवाई क्यों नही।

### इन सवालों का जवाब ढूंढ रही एसआईटी

- पौने दो घंटे में भी क्यो नहीं बचा जान, एनडीआरएफ को देरी से क्यो मिली जानकारी ?
- घटना के बाद नोएडा के सीनियर अफसर मौके पर क्यो नहीं गए ?
- सोसाइटी वासियों की ओर से तीन लेटर लिखे गए। तीनों का जवाब और मांग के अनुसार काम क्यो नहीं कराया गया ?
- भविष्य में दोबारा इस तरह की घटना रोकने के लिए क्या तैयारी हो रही है ?
- एक तरफ पुलिस एफआईआर दर्ज कर रही है दूसरी तरफ प्राधिकरण के पास डेटा तक नहीं किसका प्लाट है ?
- कितने साल में प्लाट पर काम पूरा होना था, अगर प्लाट पर काम नहीं किया गया तो नियमत: आवंटन कैंसिल क्यो नहीं किया गया ?
- तैराकी ट्रेनिंग का पार्ट है इसके बाद भी पानी में क्यो नहीं गए, गोताखोर कहां थे। स्टीमर क्यो नहीं पहुंचा समय पर ?
- इतने कर्मचारी और स्ट्रैंथ होने के बाद भी आप लोगों ने बच्चे को मरने कैसे दिया ?

जब डार्क स्पॉट के लिए सर्वे कराया गया तो इस पाइंट को कैसे भूल गए कहा चूक है ?

# नोएडा में ढाबा मालिक को बोनट पर डालकर घुमाया

### 1.5 किमी तक बेटे ने किया पीछा, तीन गिरफ्तार, ढाबा पर हुआ था झगड़ा

**नोएडा।** नोएडा के सेक्टर-71 में जनता फ्लैट के बाहर चार युवकों ने ढाबा मालिक को बेटे के सामने पीटा। विरोध करने पर पीड़ित को कार के बोनट पर डालकर ले गए। बेटे ने बाइक से पीछा किया, तो करीब डेढ़ किलोमीटर तक कार दौड़ाने के बाद छोड़कर भाग गए। फेज-तीन थाना पुलिस ने चार में से तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। जनता फ्लैट में रहने वाले अमित कुमार ने पुलिस को बताया कि पिता रामदयाल मूलरूप से बस्ती जिले के रहने वाले हैं। पिछले कई सालों से नोएडा में परिवार सहित रह रहे हैं। वह सोसाइटी के निकट ही वेंडिंग जोन में ढाबा चलाते हैं। पिछले कुछ समय से उन्हें सोसाइटी में रहने वाले शिव राज गौर, सत्य प्रकाश तिवारी, दिनेश गौर और अंकुर मिश्रा परेशान करते हैं। वह ढाबा लगाने का विरोध करते हैं। चारों युवक कार लेकर उनके ढाबे पर सोमवार रात नौ बजे आए थे। युवक उनके पिता राम दयाल को ढाबा से बाहर निकलने और ढाबा बंद करने का दबाव देने लगे। आरोप है कि चारों युवक फिल्मी स्टाइल में बोले कि अब से सेक्टर के आसपास सारी दुकान उनके इशारे पर बंद होंगी और खुलेंगी। जिसका राम दयाल ने विरोध किया। इसके बाद कार से दो अन्य युवक उतरे और राम दयाल के साथ मारपीट शुरू कर दी। कुछ ही देर में अमित भी ढाबे पर पहुंच गया। उसने पिता को किसी तरह बचाया।

### कार सवार युवकों ने कुचलने का किया प्रयास

आरोप है कि कार सवार युवकों ने रामदयाल के ऊपर कार चढ़ाने का प्रयास भी किया, जिससे वह जान बचाकर कार के बोनट पर चढ़ गए। आरोपी तेज रफ्तार में कार लेकर भाग गए। रामदयाल कार के बोनट पर ही डटे रहे। अमित एक बाइक लेकर आरोपियों के पीछे पिता को बचाने के लिए दौड़ा। दावा है कि आरोपियों ने करीब 1.5 किलोमीटर दूर साईं अपार्टमेंट के पास सर्विस रोड पर ले जाकर उनके पिता को छोड़ा और धमकी देकर भाग गए।

## शार्ट न्यूज

### गलगोटिया यूनिवर्सिटी में छात्रों का हंगामा

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी में बुधवार को छात्रों ने जमकर हंगामा किया। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में स्थित यूनिवर्सिटी के गेट पर छात्रों ने धरना दिया। उनका आरोप है कि गुरुवार से शुरू होने वाली परीक्षाओं के लिए उन्हें अभी तक प्रवेश पत्र जारी नहीं किए गए हैं। छात्रों के अनुसार, यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कम उपस्थिति का हवाला देते हुए उनके प्रवेश पत्र रोक दिए हैं। इससे वे आगामी परीक्षाओं में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों ने बताया कि जिनकी उपस्थिति 65 प्रतिशत से कम है, उनके प्रवेश पत्र जारी नहीं किए गए हैं। छात्रों का आरोप है कि पहले कभी इतनी सख्ती नहीं बरती गई थी और यह नियम अचानक लागू कर दिया गया है, जिससे उनका भविष्य खतरे में पड़ गया है। छात्रों की मुख्य मांग है कि जिनकी उपस्थिति 40 प्रतिशत तक है, उन्हें भी परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए। हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, देर शाम तक इस मामले में कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। वहीं, यूनिवर्सिटी प्रशासन ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है।

### नोएडा में पेटीएम पेमेंट बैंक धोखाधड़ी

**नोएडा।** नोएडा साइबर क्राइम थाना पुलिस ने पेटीएम पेमेंट बैंक से जुड़े एक बड़े साइबर धोखाधड़ी मामले का बुधवार को खुलासा किया है। पुलिस ने बुधवार को दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इन पर फ्रीज किए गए बैंक खातों को अवैध रूप से डीफ्रीज कर करीब 29 लाख 97 हजार 59 रुपये की धनराशि धोखाधड़ी से निकालने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्तों ने उन पेटीएम पेमेंट बैंक खातों को अनधिकृत रूप से चालू किया, जिनमें विभिन्न शिकायतों के कारण धनराशि फ्रीज की गई थी। यह कार्रवाई किसी भी कानून प्रवर्तन एजेंसी या माननीय न्यायालय की अनुमति के बिना की गई। इस मामले में वादी ने 30 अगस्त 2024 को थाना साइबर क्राइम नोएडा में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि इस फर्जीवाड़े में पेटीएम पेमेंट बैंक के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत भी थी। पुलिस ने इस मामले में पहले भी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। अब इस कड़ी में दो और साइबर अपराधियों को पकड़ा गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान राजस्थान के सवाई माधोपुर निवासी राजेश कुमार मीणा और उत्तर प्रदेश के सीतापुर निवासी सचिन (वर्तमान पता गौर सिटी, नोएडा) के रूप में हुई है।

### ग्रेटर नोएडा में गाय का हमला, बुजुर्ग की मौत

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र के थोरा गांव में बुधवार को एक गाय के हमले में 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। इस हमले में उन्हें बचाने पहुंचे उनके भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। ग्रामीणों की सहायता से दोनों घायलों को जेवर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने 60 वर्षीय कृपाल सिंह को मृत घोषित कर दिया। उनके भतीजे राजेंद्र सिंह का अस्पताल में इलाज जारी है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि थोरा गांव निवासी कृपाल सिंह के खेतों में एक गाय लगातार फसल को नुकसान पहुंचा रही थी। जब कृपाल सिंह उसे भगाने खेत पहुंचे, तो गाय ने उन पर हमला कर दिया। घटना देखकर राजेंद्र सिंह उन्हें बचाने पहुंचे, लेकिन गाय ने उन पर भी हमला कर दिया। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर दोनों को गाय से छुड़ाया और अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों की शिकायत के बाद यमुना प्राधिकरण की टीम गांव पहुंची। जेसीबी मशीनों की सहायता से गाय को घेरकर पकड़ने का प्रयास किया गया, इसी दौरान गाय की भी मौत हो गई।

### छात्रा की मौत मामले में कैंटर चालक गिरफ्तार

**नोएडा।** पुलिस ने भंगेल एलिवेटेड रोड पर मंगलवार तड़के जगुआर कार में टक्कर मारने वाले कैंटर चालक को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। घायल तीनों युवकों का अब भी दिल्ली के अस्पतालों में उपचार चल रहा है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले वाहन को भी कब्जे में ले लिया है। कैंटर चालक की पहचान बदायूं निवासी वीरेश सिंह के रूप में हुई है। वर्तमान में वह याकूबपुर गांव में किराये का कमरा लेकर रह रहा है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी चालक को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।एडिशनल डीसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि भंगेल एलिवेडेट रोड से मंगलवार तड़के जगुआर कार पर सवार होकर चार लोग आ रहे थे। इसी दौरान कैंटर की टक्कर से चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल 19 वर्षीय छात्रा फलक अहमद की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। वहीं, कार सवार तीन छात्र अंश), आयुष भाटी और नील पंवार घायल हो गए थे। तीनों का अब भी उपचार चल रहा है।

### ब्लैक स्पॉट चिह्नित कर जरूरी इंतजाम किए गए

**ग्रेटर नोएडा।** शहर में रोड सेफ्टी अभियान का बुधवार को समापन हो गया। सभी आठों वर्क सर्किल की टीमों ने 16 जगहों को चिंहित कर जरूरत के हिसाब से रोड सेफ्टी से जुड़े कार्य किए। हालांकि, सड़क सुरक्षा उपायों से जुड़े कार्य लगातार जारी रहेंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर सड़कों पर आवागमन सुरक्षित बनाने के लिए तीन दिवसीय अभियान चलाया गया था। आठों वर्क सर्किल की टीमें शहर में सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए लगातार कार्य किए गए।टीमें अपने क्षेत्र में भ्रमण कर ब्लैक स्पॉट, सड़क हादसों के लिए संवेदनशील जगहों को चिह्नित कर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने में जुटीं रहीं। बुधवार को तीसरे दिन सभी टीमों ने सड़क दुर्घटना के लिहाज से संवेदनशील 16 जगहों को चिंहित कर पैच वर्क, लेन मार्किंग, रंबल स्ट्रिप, रेफ्लेक्टर लगाने के कार्य किए। ब्लैक स्पॉट पर लाइटें भी लगाई गईं। 130 मीटर रोड का निरीक्षण किया और जरूरत के हिसाब से रेफ्लेक्टर, कैट्स आई, लाइटिंग आदि सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के निर्देश दिए।

### नोएडा-ग्रेनो में नौ दिनों से हवा बेहद खराब

**नोएडा।** प्रदूषण के स्तर में बुधवार को मामूली कमी आई लेकिन नोएडा और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में ही रहा। पिछले नौ दिनों से दोनों शहरों का एक्यूआई 300 से अधिक है। नोएडा का एक्यूआई बुधवार को 329 दर्ज किया गया। एक दिन पहले के मुकाबले एक्यूआई 33 अंक कम हुआ। वहीं, ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 320 रहा। मंगलवार के मुकाबले 52 अंक कम दर्ज किया गया। इससे पहले नोएडा और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 12 जनवरी को 300 से कम था। अगले दो दिनों में बारिश होने की स्थिति में दोनों शहरों के एक्यूआई में और कमी आ सकती है इसके बाद एक्यूआई बढ़ने की आशंका है। फरवरी के पहले हफ्ते से प्रदूषण में कमी आने की उम्मीद है। अगले दो दिन हल्की बारिश के आसार मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अगले दो दिन 22 और 23 जनवरी को बारिश होने की संभावना है। दोनों दिन बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद 27 जनवरी को भी हल्की बारिश का पूर्वानुमान है। गुरुवार और शुक्रवार को अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री कम हो सकता है।

### शहर में आपदा से बचाव के बेहतर उपाय किए जाएं

**नोएडा।** शहर के सामाजिक और उद्यमी संगठनों ने बुधवार को सेक्टर-150 में हुए हादसे में इंजीनियर की मौत पर दुख जताया। साथ ही प्रदेश सरकार से आपदा जैसी स्थिति से त्वरित निपटने के लिए बेहतर उपाय और इंतजाम करने की मांग की। डीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एनपी सिंह ने कहा कि यह हादसा पुलिस और प्रशासन के लिए सबक है। इस तरह के हादसे दोबार नहीं हों, इसके लिए प्रशासन को बड़े स्तर पर कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने हादसे में दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की। फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने कहा कि जिले को दो से तीन जोन में बांटकर विशेष टीम का गठन किया जाए। हर स्थिति से निपटने के लिए लोगों को तैनात किया जाए। विभागों को संसाधनों से लैस किया जाए। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की नोएडा इकाई के चेयरमैन नरेश कुच्छल ने क्यूआरटी का गठन करने का सुझाव दिया, जो कि सूचना मिलते ही कार्रवाई में जुट जाए।

# ग्रेटर नोएडा हादसे में लापरवाही उजागर

## इंजीनियर की मौत से 15 दिन पहले उसी जगह ट्रक टकराया, टूटी थी दीवार

**गौतम बुद्ध नगर।** ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-150 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की कार दुर्घटनास्थल पर 15 दिन पहले भी एक गंभीर हादसा हुआ था। 31 दिसंबर की रात एक ट्रक अनियंत्रित होकर नाले की दीवार से टकरा गया था, जिससे दीवार टूट गई थी। इसके बावजूद नोएडा प्राधिकरण ने इतने दिनों तक न तो दीवार की मरम्मत कराई और न ही सुरक्षा के कोई इंतजाम किए। प्राधिकरण ने न तो टूटे हिस्से की मरम्मत कराई और न ही हादसे वाले स्थान पर बैरिकेडिंग या रिफ्लेक्टर लगाए। यदि समय रहते दीवार ठीक कर दी जाती या आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाते, तो संभव है कि युवराज मेहता के साथ यह दर्दनाक हादसा न होता।

### 31 दिसंबर की रात की तस्वीरें आईं सामने

31 दिसंबर की रात की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें घने कोहरे के बीच ट्रक के नाले की दीवार से टकराने और दीवार टूटने का दृश्य कैद है। नाले की दीवार टूटने के कारण ही ट्रक वहीं रुक गया था, अन्यथा वह भी युवराज की कार की तरह नाले के पानी में समा सकता था।

### हादसे के बाद जागा प्राधिकरण

स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस मार्ग पर पहले कई स्थानों पर रोशनी की समुचित व्यवस्था नहीं थी। युवराज के हादसे के बाद ही प्राधिकरण हरकत में आया और अब वहां लाइटें लगवाई गई हैं, साथ ही जगह-जगह बैरिकेडिंग भी की गई है।

# जेवर और दादरी में बिलिंग दफ्तर खुलेंगे

**नोएडा।** जिले में उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जेवर और दादरी में दो नए बिलिंग दफ्तर शुरू किए जाएंगे। इससे दूर-दराज से आने वाले उपभोक्ताओं को सुविधा होगी। जल्द इसका प्रस्ताव तैयार कर मेरठ मुख्यालय को भेजा जाएगा। बिलिंग दफ्तर पर दबाव कम होगा। जिले में विद्युत निगम के साढ़े चार लाख उपभोक्ता हैं। हर महीने दस हजार से अधिक लोगों के बिलों में त्रुटियां आती हैं। इन्हें दूर करने के लिए नई व्यवस्था के तहत बिलिंग एक्सईएन की जिम्मेदारी तय की गई है। जिले में बिलिंग एक्सईएन का दफ्तर सेक्टर-18 में हैं। ऐसे में जेवर और दादरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को नोएडा दफ्तर आना पड़ रहा है। इसे देखते हुए विद्युत निगम जेवर और दादरी क्षेत्र में दो बिलिंग दफ्तर शुरू करने की योजना बना रही है।

# फायरमैन का बैरक में फंदे से शव लटका मिला

## ग्रेटर नोएडा में पीएसपी की तैयारी कर रहा था, माता-पिता के निधन के बाद तनाव में था

**गौतम बुद्ध नगर।** ग्रेटर नोएडा में एक फायरमैन का बैरक में फंदे से शव लटका मिला है। ड्यूटी पर न पहुंचने पर साथी कर्मियों ने उसे कॉल की। कॉल रिसीव न होने पर एक अन्य फायरमैन उसकी बैरक में देखने गया। कमरे का दरवाजा बंद था।

इसके बाद उसने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

फिर खिड़की से झांककर देखा तो फायरमैन संदीप फंदे से लटका दिखाई दिया। फायरमैन ने तुरंत इसकी जानकारी अन्य पुलिस कर्मियों को दी। मौके पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा। इसके बाद संदीप के शव को नीचे उतारा।

पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या के कारणों को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। फायरमैन संदीप सिविल सर्विसेज की तैयारी भी करता था। पूरा मामला नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र का है।

### अब जानिए पूरा मामला..

बागपत जिले के हलालपुर गांव के रहने वाले संदीप (35) की ज्वाइनिंग 2016 में फायरमैन के पद पर हुई थी। अभी वह नॉलेज पार्क फायर स्टेशन (डीसीपी ऑफिस) में तैनात थे। फायर स्टेशन की दूसरी मंजिल पर बनी बैरक में अकेले रहते थे।

संदीप सिविल सर्विसेज की तैयारी भी कर रहे थे। इसके साथ निजी जीवन में लंबे समय से अकेलेपन व मानसिक तनाव से जूझ रहे थे। अभी तक उनकी शादी भी नहीं हुई थी। साल 2018 में उनके पिता और 2024 में मां का निधन हो गया था।

माता-पिता के निधन के बाद से संदीप मानसिक अवसाद और तनाव में थे।

इसके अलावा वह कई बार सिविल सर्विसेज में ट्राई कर चुका था, लेकिन वह फेल हो गया था। इससे वह और ज्यादा तनाव में रहने लगा था। पुलिस के मुताबिक, तनाव के चलते संदीप ने सुसाइड किया है। हालांकि अभी जांच जारी है।

# ग्रेटर नोएडा के बिलासपुर में सुलभ शौचालय बदहाल

### स्वच्छ भारत अभियान पर उठे सवाल, लोग परेशान

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा के बिलासपुर कस्बे में नगर पंचायत की लापरवाही सामने आई है। यहां मुख्य मार्ग पर स्थित सुलभ शौचालय की हालत बेहद खराब है।

शौचालय के बाहर स्वच्छ भारत अभियान का स्लोगन लगा है, लेकिन अंदर गंदगी का अंबार है। लंबे समय से सफाई न होने के कारण यह शौचालय उपयोग लायक नहीं बचा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि

बाजार क्षेत्र में आने-जाने वाले महिला और पुरुषों को शौचालय की सुविधा न मिलने से भारी परेशानी हो रही है। बदबू और गंदगी के कारण लोग इसके अंदर जाने से भी कतराते हैं।

यह शौचालय कई वर्ष पहले नगर पंचायत द्वारा बनवाया गया था। इसके बाहरी सौंदर्यीकरण और रंगाई-पुताई पर काफी धन खर्च किया गया था, लेकिन नियमित सफाई व्यवस्था न होने के कारण जनता को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है।

स्थानीय निवासियों ने इस गंभीर समस्या को लेकर जिलाधिकारी से शिकायत करने की बात कही है। नगर पंचायत के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर शौचालय की नियमित सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

# भूखंड रजिस्ट्री के लिए विधवा महिला को अपहरण की धमकी

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के रोनिजा गांव में एक विधवा महिला को भूखंड की रजिस्ट्री कराने के लिए अपहरण की धमकी दी गई है। पीड़ित परिवार ने बुधवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कुछ असामाजिक तत्व जबरन उनके घर में घुस आए और महिला को धमकी दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित मेघराज के अनुसार, कुछ साल पहले ग्रेटर नोएडा के एक व्यक्ति ने उनकी विधवा भाभी को बहला-फुसलाकर उनके 120 वर्ग मीटर के भूखंड का एग्रीमेंट करा लिया था। इसके एवज में महिला को करीब साढ़े तीन लाख रुपये दिए गए थे। यह तय हुआ था कि यदि महिला ब्याज सहित रुपये लौटा देती है, तो एग्रीमेंट रद्द कर दिया जाएगा।

आरोप है कि अब आरोपी महिला पर भूखंड का बैनामा (रजिस्ट्री) कराने का दबाव बना रहे हैं। मेघराज ने बताया कि मंगलवार को आरोपी अपने कुछ असामाजिक साथियों के साथ जबरन महिला के घर में घुस गए।

# इंजीनियर की मौत के बाद 5 और बिल्डर पर एफआईआर

## बिल्डरों पर पर्यावरण और जल प्रदूषण एक्ट में नया केस, जांच में तेजी

**गौतम बुद्ध नगर।** ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 150 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में जांच आगे बढ़ रही है। नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने इस प्रकरण में एक और एफआईआर दर्ज की है। यह मामला अब केवल हादसा या लापरवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जल प्रदूषण से जुड़े गंभीर आरोपों के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जांच में सामने आया है कि जिस स्थान पर युवराज की कार गिरी थी, वहां लंबे समय से निर्माण कार्य बंद पड़ा था। करीब पांच साल पहले यहां गहरे गड्ढे खोदकर छोड़ दिए गए थे। ये गड्ढे सड़क के बिल्कुल करीब थे, लेकिन इसके बावजूद न तो कोई बैरिकेडिंग की गई और न ही चेतावनी बोर्ड लगाए गए।

अंधेरे और कोहरे के कारण यह स्थान जानलेवा साबित हुआ, जहां युवराज की कार नाले की दीवार से टकराकर 70 फीट गहरे पानी में जा गिरी, जिससे उनकी मौत हो गई।

नॉलेज पार्क थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में पर्यावरण संरक्षण और जल प्रदूषण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों बिल्डरों ने मिलकर पर्यावरण और जल प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन किया, जिससे न केवल प्रदूषण फैला बल्कि आम नागरिकों की जान भी खतरे में पड़ गई। नई एफआईआर में अभय कुमार, संजय कुमार, मनीष कुमार, आंचल बोहरा और निर्मल कुमार को नामजद किया गया है। ये सभी लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और केएमजेड विशटाउन से जुड़े हुए हैं। पुलिस के अनुसार, फॉरेंसिक टीम ने जब निर्माण स्थल का जायजा लिया तो कई खामियां सामने आईं।

जांच के दौरान यह भी पता चला कि निर्माण स्थल को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा पहले भी शिकायतें की गई थीं, लेकिन दोनों बिल्डरों ने इन शिकायतों को अनदेखा किया। इसी अनदेखी के कारण स्थिति गंभीर हो गई।

# गौतमबुद्धनगर में गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

**गौतम बुद्ध नगर।** गौतमबुद्धनगर पुलिस ने गांजा तस्करी और बिक्री करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थाना इकोटेक-3 पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन पुरुषों और दो महिलाओं सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस संबंध में बुधवार को डीसीपी सेंट्रल नोएडा ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को गश्त और सूचना के आधार पर सीआईएसएफ कैंप यू-टर्न के पास घेराबंदी की गई। यहां से पांच संदिग्धों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सत्य शरण, सुमित, अभिषेक, लाली और कश्मीरा के रूप में हुई है। ये सभी पिछले लगभग छह वर्षों से गुलिस्तानपुर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 9 किलो 900 ग्राम गांजा और गांजे की बिक्री से प्राप्त 2,90,400 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य शाहजहांपुर, हमीरपुर, फिरोजाबाद और बदायूँ जैसे विभिन्न जिलों के मूल निवासी हैं।

# 'लोन स्कैम' गैंग का खुलासा, फर्जी आईडी पर लग्जरी गाड़ियां फाइनेंस कर 5 राज्यों में बेचते थे

**नोएडा। वकार सैफी।** थाना फेस-2 पुलिस और स्वाट टीम ने एक ऐसे अंतरराज्यीय वाहन धोखाधड़ी के एक बड़े रैकेट को ध्वस्त कर दिया है, जो फर्जी दस्तावेजों के जरिए गाड़ियां फाइनेंस कराकर बैंकों और आम जनता को करोड़ों का चूना लगा रहा था। पुलिस ने इस गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके जालसाजी के अनोखे तरीके का खुलासा किया है।

बता दे कि पुलिस की गिरफ्त में खड़े तीन चेहरे—अमित गुप्ता, अनुराग उर्फ अमित और नवीन भावरी—कोई साधारण अपराधी नहीं हैं। ये शातिर ठग फूलमंडी के पास से उस वक्त दबोचे गए जब ये अपनी अगली बड़ी साजिश की तैयारी में थे। डीसीपी सेंट्रल नोएडा का कहना है कि इनके अपराध का तरीका बेहद पेशेवर था। ये गैंग फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी का इस्तेमाल कर बैंकों से लग्जरी गाड़ियां फाइनेंस कराते थे। एक बार गाड़ी हाथ में आने के बाद, ये गिरोह लोन की एक भी किश्त जमा नहीं करता था। इसके बजाय, ये गाड़ियों को पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान जैसे राज्यों में ले जाकर कम कीमतों पर बेच देते थे।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा ने बताया कि जब बैंक के रिकवरी एजेंट किस्त न मिलने पर पते पर पहुँचते, तो जमीन खिसक जाती थी—क्योंकि कागजों में दर्ज पता पूरी तरह फर्जी होता था। यही नहीं, ये जालसाज आरसी से 'हाइपोथैकेशन' (Hypothecation) हटाकर उसी गाड़ी पर दोबारा लोन लेने का काला कारनामा भी करते थे। इन अभियुक्तों ने न केवल बैंकों को धोखा दिया, बल्कि ग्राहकों को एनओसी दिलाने का झूठा आश्वासन देकर उन्हें चोरी की गाड़ियां बेचीं। इनके पास से भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज और संदिग्ध वाहन बरामद हुए हैं।

पुलिस ने इनके कब्जे से थार, ग्रांड विटारा, किया सेल्टॉस, महिन्द्रा स्कार्पियों, अर्बन क्रूजर टेजर और 28 आधार कार्ड, पैन कार्ड, आर0सी0 व डीएल बरामद किया है, पुलिस अब इस जांच में जुटी है कि इस गैंग ने अब तक कुल कितनी गाड़ियों पर फर्जी लोन लेकर बैंकों को चपत लगाई है।

# लखनऊ में युवक की बेरहमी से गला रेतकर हत्या

## रोड पर पड़ी मिली खून से लथपथ लाश, पत्नी ने देखा तो चीख पड़ी

**मोहनलालगंज।** लखनऊ में एक युवक की बेरहमी से गला रेतकर हत्या कर दी गई।

उसका खून से लथपथ शव सड़क पर पड़ा मिला। पास खड़ी बाइक पर खून ही खून फैला था। घटनास्थल पर पहुंची पत्नी पति के शव के पास बैठकर चीखने-चिल्लाने लगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना पीजीआई इलाके में शहीद पथ पर मंगलवार देर रात 9 बजे हुई।

मृतक की पहचान पीजीआई के उतरठिया गांव के रहने वाले प्रदीप के रूप में हुई है। प्रदीप पत्नी पूजा के साथ यहां किराए के मकान में रहता था। पति-पत्नी मूलरूप से कानपुर के रहने वाले थे। प्रदीप यहां एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करता था।

### पुलिस ने 2 युवकों को हिरासत में लिया

सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एडीसीपी साउथ रलापल्ली वसंथ कुमार और एसीपी गोसाईगंज ऋषभ यादव ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल की। अधिकारियों का कहना है कि दो संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

### बाइक पर पीछे बैठे युवक ने की हत्या

वहीं प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि बाइक पर पीछे बैठे युवक ने ही हत्या की थी, जिसे मौके पर मौजूद लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सोशल मीडिया पर घटना से जुड़े 2 वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि वीडियो में दिख रहा युवक ही हत्या का आरोपी है। आरोपी युवक अमेठी जनपद का निवासी बताया जा रहा है।

## झांसी में मैरिज एनिवर्सरी के दिन युवक की मौत

**झांसी।** झांसी में शादी की चौथी सालगिरह के दिन ही एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। घर से काम के लिए निकला युवक लौटकर नहीं आया, बल्कि उसकी मौत की खबर ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। हादसा सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के आरी गांव के पास हुआ। मध्य प्रदेश के दतिया जिले के उन्नाव बालाजी गांव का रहने वाला 27 वर्षीय ओमप्रकाश कुशवाहा, पुत्र कालका प्रसाद, झांसी के भोजला स्थित कृषि मंडी में पल्लेदार का काम करता था। सोमवार की रात वह रोज़ की तरह मंडी में आए अनाज के बोरों को शिफ्ट करने के लिए घर से निकला था। जब वह सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के आरी गांव के पास बने बस स्टॉप के नजदीक पहुंचा, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ओमप्रकाश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

## सड़क हादसे में घायल युवक की मौत, मृतकों की संख्या बढ़कर तीन

**पूरनपुर।** सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। 14 जनवरी को पूरनपुरङ्कखुटार असम हाईवे पर गढ़वा खेड़ा के पास हुए इस दर्दनाक हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक मिशन बाजपेई ने करीब एक सप्ताह तक जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद मंगलवार देर शाम दम तोड़ दिया।

बताया गया कि 14 जनवरी को गढ़वा खेड़ा के पास सड़क किनारे एक गोलगप्पे की दुकान पर कुछ लोग खड़े थे।

इसी दौरान तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे खड़े लोगों को कुचल दिया। हादसा इतना भयावह था कि जोगराजपुर निवासी दो सगे भाई मोहम्मद वक्स और मोहम्मद अजीम की मौके पर ही मौत हो गई थी। एक ही परिवार के दो सदस्यों की एक साथ मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई थी।

हादसे में महुआ गुंदे गांव निवासी मिशन बाजपेई गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तत्काल उपचार के लिए बरेली के भोजीपुरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां करीब एक सप्ताह तक उनका इलाज चला। मंगलवार देर शाम उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

मिशन बाजपेई की मौत की सूचना गांव पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ग्रामीणों ने बताया कि मिशन परिवार के सहारे थे, उनकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

थाना अध्यक्ष संजय सिंह ने युवक की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हादसे से संबंधित तथ्यों की जांच की जा रही है ।यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार वाहनों और यातायात नियमों के उल्लंघन की गंभीर समस्या को उजागर करता है।

## शार्ट न्यूज

### बरखेड़ा मल ने पेराई सत्र 2024-25 के गन्ना मूल्य का किया सम्पूर्ण भुगतान

**पीलीभीत।** क्षेत्र के गन्ना किसानों के लिए राहत भरी खबर है। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल बरखेड़ा द्वारा पेराई सत्र 2024-25 के अंतर्गत किसानों के बकाया गन्ना मूल्य का सम्पूर्ण भुगतान कर दिया गया है। चीनी मिल प्रबंधन ने बुधवार, 21 जनवरी 2026 को कुल 165.84 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी ।इस संबंध में जानकारी देते हुए इकाई प्रमुख जितेन्द्र सिंह जादौन ने बताया कि चीनी मिल किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और क्षेत्र के किसानों का एक-एक गन्ना खरीदने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मिल द्वारा समय पर भुगतान सुनिश्चित करना किसानों के प्रति उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है, ताकि किसानों को आर्थिक रूप से किसी प्रकार की परेशानी न हो। इकाई प्रमुख ने क्षेत्रीय गन्ना किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपना गन्ना कोल्हू अथवा क्रेशरों पर न बेचें, बल्कि समस्त गन्ने की आपूर्ति अपनी चीनी मिल को ही करें। इससे किसानों को न केवल उचित मूल्य मिलेगा, बल्कि भुगतान भी सीधे और सुरक्षित रूप से उनके खातों में समय से प्राप्त होगा।

### पत्नी ने प्रेमी से करवाई पति की हत्या

**मोहनलालगंज।** लखनऊ में मंगलवार रात युवक की गला रेतकर हत्या उसकी पत्नी ने प्रेमी से करवाई थी। पुलिस ने बुधवार को आरोपी महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने घटना को अंजाम देने से पहले युवक को शराब पिलाई और फिर चलती गाड़ी में उसका गला रेत दिया। हत्यारे रामतीर्थ को स्थानीय लोगों ही ने ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। उसके साथ ही पूजा को भी जेल भेज दिया गया। पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह के अनुसार मृतक प्रदीप मूल रूप से कानपुर देहात के थाना रूरा क्षेत्र के अमौली ठाकुरान का रहने वाला था। वह कमता की एक गैस एजेंसी में कार्यरत था। उसकी 28 साल की पत्नी पूजा सिंह पीजीआई क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में अटेंडेंट थी। पूजा नवंबर से उतरेटिया में संदीप पाल के मकान में किराए पर रह रही थी, प्रदीप वहां कभी-कभी ही आता था। इसी दौरान पूजा के उसी मकान में रहने वाले अमेठी के मोहनगंज थाना क्षेत्र के हवेली गांव के रामतीर्थ मौर्य से प्रेम संबंध हो गए। पति से छुटकारा पाने के लिए दोनों ने मिलकर हत्या की साजिश रच डाली।

### बरेली में दलित युवक को पीटकर मार डाला

**बरेली।** बरेली में 26 साल के दलित युवक की एक सप्ताह पहले दबंगों ने पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। बुधवार को उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर फैलते ही इलाके में तनाव फैल गया। नाराज घरवालों और ग्रामीणों ने पोस्टमॉर्टम हाउस के सामने हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया। कार्रवाई न होने का आरोप लगाकर हंगामा किया। हालांकि, पुलिस के आश्वासन के बाद करीब एक घंटे बाद जाम खुल पाया। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई। मामला बारादरी थाना क्षेत्र का है। डोहरा गांव के रहने वाले पप्पू सागर मजदूरी करते हैं। राहुल (26) उनका बेटा था। वह भी मजदूरी करता था। राहुल के परिवार में पत्नी शिवानी और 3 बच्चे हैं। बड़ा बेटा आर्यन (4) और देव (ढाई साल) का है। तीसरे बेटे का जन्म 15 दिन पहले ही हुआ था। पप्पू सागर ने बताया- राहुल का साला बीमार था। 14 जनवरी को साले के इलाज का बिल भरने के लिए वह अस्पताल जा रहा था। उसके पास 30 हजार रुपए थे। वह अपने साथी लालू और सचिन के साथ निकला था। रास्ते में भीमा नाम का युवक मिला।

### सरियों पर गिरने से महिला घायल

**मुरादाबाद।** मुरादाबाद के कोर्ट रोड इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई,एक बुजुर्ग महिला 8-8 इंच की सरियों के ऊपर गिर गई,जिससे सरिए उसके पेट के निचले हिस्से में घुस गए द्य आसपास के लोगो ने बड़ी मुश्किल से सरियों से निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। दरअसल स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शहरी इलाके में कोर्ट रोड स्थित बाला जी मंदिर के पास सड़क के दोनों तरफ लाइट लगाने के लिए पोल लगाए गए है, लेकिन इसमें एक बड़ी लापरवाही की गई,,पोल लगाने के लिए जो बेस बनाया गया उस पर 8-8 इंच के सरिए खुले छोड़ दिये गए । ये बेस भी रुहेला परिवार के घर के गेट के ठीक बराबर में होने के चलते कल शाम बुजुर्ग महिला रेखा रुहेला जैसे ही घर से बाहर निकली तो संतुलन बिगड़ने के कारण उन्ही सरियों के बेस पर गिर गई द्य ये सरिए उनके पेट के निचले हिस्से में धंस गए द्य जिससे हंगामा मच गया,आसपास के लोग उन्हें सरियों से निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल लेकर कर पहुँचे, जहां पर उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

### संभल में 28 हाफिज-कारीयों की दस्तारबंदी

संभल। संभल के कस्बा सिरसी में मदरसा इस्लामिया हनफिया इस्लाहुल कौम के तत्वावधान में सालाना तालीमी कॉन्फ्रेंस और दस्तारबंदी समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में 28 हाफिज और कारीयों की दस्तारबंदी की गई, जिसके माध्यम से इल्म (ज्ञान) का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हाफिज ततहीर द्वारा कुरान की तिलावत से हुआ। इसके पश्चात मुहम्मद ओवैस और कारी साजिद रजा ने नाते पाक प्रस्तुत की। गुलाम गौस ने पैगंबर मोहम्मद का पूरा सजरा पढ़कर उपस्थित जनसमूह को सुनाया। मौलाना गुलाम रब्बानी ने कहा कि इस्लाम अमन और शांति का पैगाम देता है। उन्होंने पैगंबर मोहम्मद के 1450 वर्ष पुराने कथन का उल्लेख किया, इल्म हासिल करो, चाहे तुम्हें चीन जाना पड़े। मौलाना ने बच्चों को शारीरिक पोषण के साथ-साथ ज्ञान देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि विज्ञान और ज्ञान की बातें कुरान में पहले ही वर्णित हैं और सफलता के लिए पैगंबर के बताए मार्ग पर चलना आवश्यक है।

### बच्ची से रेप के दोषी को आजीवन कारावास

**प्रतापगढ़।** प्रतापगढ़ में 7 साल की बच्ची से रेप के दोषी सत्यम पाल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। पॉक्सो कोर्ट ने दोषी पर 1 लाख 40 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह राशि पीड़िता को प्रदान की जाएगी। अपर जनपद न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट पारुल वर्मा की कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने सत्यम पाल को दुष्कर्म करने और मारपीट करने का दोषी पाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना 5 दिसंबर 2024 को हुई थी। पीड़िता अपनी सात साल की बच्ची के साथ आरोपित की दुकान पर घर का सामान लेने गई थी। आरोपित ने बच्ची के साथ मारपीट की और अश्लील हरकतें करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया। घटना के बाद पीड़िता के गुप्तांग में गंभीर घाव होने के कारण उसकी हालत बिगड़ गई थी। न्यायालय ने आदेश दिया है कि पीड़िता को उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष से नियमानुसार आर्थिक क्षतिपूर्ति प्रदान की जाए। इस मामले में राज्य की ओर से विशेष लोक अभियोजक निर्भय सिंह ने पैरवी की।

### विवाहिता को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप

**बलरामपुर।** बलरामपुर के उतरौला कोतवाली क्षेत्र में एक विवाहिता को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी बेटी की शादी करीब डेढ़ साल पहले हुई थी। वह एक महीने पहले मुंडन कार्यक्रम में अपने मायके आई थी और तब से वहीं रह रही थी। आरोप है कि 18 जनवरी 2026 की रात लगभग 8 बजे इबरार पुत्र रोजन अली उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गया। तहरीर में यह भी कहा गया है कि इबरार को इस कृत्य में लालजादी पुत्री अब्बास और उसकी मां (पत्नी अब्बास) ने सहयोग किया। काफी खोजबीन के बाद पता चला कि इबरार युवती को शादी करने के इरादे से भगा ले गया है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि उनकी बेटी घर से खेत बिक्री के एडवांस के 1 लाख 50 हजार रुपये नकद और करीब 3 लाख रुपये कीमत के जेवरात भी अपने साथ ले गई है। उतरौला कोतवाली पुलिस ने इबरार, लालजादी और उसकी मां के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

## यातायात नियमों को लेकर पहलवान गुरूदीन कॉलेज में छात्रों को किया जागरूक

**ललितपुर।** यातायात पुलिस ने पहलवान गुरुदीन कॉलेज में पुलिस ने विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। छात्रों को यातायात नियमों, जैसे हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट का उपयोग और मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में यातायात प्रभारी, ललितपुर आलोक कुमार तिवारी द्वारा पहलवान गुरुदीन कॉलेज, ललितपुर में छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य छात्र/छात्राओं को हेलमेट, सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग, बिना वैध लाइसेंस/बीमा के वाहन न चलाना, गलत दिशा में वाहन न चलाना, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाना, सड़क पर स्टंटबाजी न करना, राहवीर योजना, हिट एंड रन के मामले में सरकार द्वारा दी जा रही आर्थिक सहायता के बारे में विस्तार से बताया गया।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस सम्पन्न

## किसानों की समस्याएं सुनीं, अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

**पीलीभीत।** जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को गांधी सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को एग्री स्टैक योजना के अंतर्गत संचालित फार्मर रजिस्ट्री के लाभों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने किसानों से अपील की कि वे जन सुविधा केंद्रों के माध्यम से शीघ्र फार्मर रजिस्ट्री कराएं, जिससे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की आगामी किस्त समय पर उनके खातों में पहुंच सके ।किसान दिवस में भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधि गुरदीप सिंह ने माला जंगल

से होकर गुजर रही निगोही ब्रांच नहर में अत्यधिक सिल्ट जमा होने की समस्या उठाते हुए शीघ्र सफाई कराए जाने की मांग की।

वहीं, भाकियू के जिला प्रभारी बलराम सिंह काहलो ने एआरटी पीलीभीत द्वारा गन्ना किसानों की ट्रॉलियां रोके जाने और सीज किए जाने पर आपत्ति जताते हुए इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की ।भाकियू जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश शर्मा ने नहरों की सफाई वर्ष में केवल एक बार कराए जाने को अपर्याप्त बताते हुए वर्ष में दो बार नहरों की सफाई कराने की मांग रखी ।जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने गांवों में 70 वर्ष से अधिक आयु के पात्र व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित करें।

किसान दिवस में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों में संचालित योजनाओं की जानकारी भी किसानों को दी ।कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक राममिलन सिंह परिहार, अधिशासी अभियंता विद्युत आशीष यादव, अग्रणी जिला प्रबंधक राजकुमार सेठ, जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम, जिला कृषि अधिकारी नरेन्द्र पाल, जिला पंचायत राज अधिकारी रोहित भारती तथा सहायक आयुक्त/सहायक निबंधक सहकारिता डॉ. प्रदीप कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# सड़क सुरक्षा माह के तहत जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन, छात्रों ने दिखाया हुनर

**पीलीभीत।** शासन के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसी क्रम में एसएन इंटर कॉलेज, पीलीभीत में भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें जनपद के लगभग एक दर्जन विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन जिला नोडल अधिकारी (माध्यमिक शिक्षा) इंतजार ख़ान की देखरेख में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिलकश (एसएन इंटर कॉलेज, पीलीभीत), द्वितीय स्थान सहज प्रीति कौर (स्प्रिंग डेल इंटर

कॉलेज, पीलीभीत) तथा तृतीय स्थान कु. अंशिका तिवारी (आर्य कन्या इंटर कॉलेज, पीलीभीत) ने प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सोनम (वीरांगना अवंति बाई जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज, पीलीभीत), द्वितीय स्थान रिया गंगवार (स्प्रिंग डेल इंटर कॉलेज, पीलीभीत) और तृतीय स्थान स्वाति मौर्य (वीरांगना अवंति बाई जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज, पीलीभीत) को मिला।

नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में आर्य कन्या इंटर कॉलेज, पीलीभीत की टीम—सुहानी प्रजापति, शुभांगी सक्सेना और प्राची—ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. जावेद अहमद, ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज के उप-प्रधानाचार्य लोकेश कुमार, शिक्षिका साधना गुप्ता एवं गुंजन पांडेय सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए सड़क सुरक्षा के नियमों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

## 23 जनवरी को होने वाले ब्लैक आउट व हवाई हमले की मॉकड्रिल मात्र एक सुरक्षात्मक अभ्यास : एडीएम

**ललितपुर।** जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के निर्देशन में 23 जनवरी को आयोजि होने वाले ब्लैक आउट मॉक ड्रिल के सम्बंध में अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव ने अवगत कराया है कि 23 जनवरी को आयोजित होने वाली मॉकड्रिल के दौरान सायं 06 बजे से 6:10 बजे तक जनपद में ब्लैकआउट किया जाएगा और सभी क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था बाधित कर दी जाएगी, हवाई हमले की चेतावनी हेतु 2 मिनट तक ऊँची नीची आवाज में सायरन बजाया जाएगा, जिसके अंतर्गत नागरिकों को जमीन पर लेट कर शरण लेनी होगी और हवाई हमला समाप्त होते ही सायरन के माध्यम से ऑल क्लियर ध्वनि प्रवाहित की जाएगी। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि यह केवल एक सुरक्षात्मक एक्सरसाइज है, इससे चिन्तित होने की आवश्यकता नहीं है।

## टोल प्लाजा पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**ललितपुर।** राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत बीघा खेत टोल पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में यातायात पुलिस ललितपुर द्वारा NHAI के सहयोग से बीघाखेत टोल प्लाजा पर नि:शुल्क स्वास्थ्य कैंप का आयोजन कराया गया व वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया ।जागरूकता के क्रम में वाहन चालकों को मुख्यता वाहन चलाते समय निम्न बातों को ध्यान में रखने के लिए प्रेरित किया गया। दो पहिया वाहन चालक हेलमेट अवश्य लगायें, जिससे की किसी दुर्घटना के घटित होने पर वह सुरक्षित रह सके। दो पहिया वाहन पर तीन सवारियां बैठाकर न चलाये ।नशे की हालत में वाहन न चलाएं । चार पहिया वाहन चालक व सहयात्री अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट का प्रयोग करें। माल वाहक वाहनों में इंसानों का परिवहन न करें। बिना नंबर प्लेट के वाहन न चलायें ।वाहन को ओवर स्पीड से न चलायें ।सड़क पर सदैव अपनी वायीं दिशा में चलें ।वाहन चलाते समय मोबाइल फोन/ईयर फोन आदि का प्रयोग न करें ।लेन ड्राइविंग का पालन करें ।सड़क परिवहन के लिए है अनावश्यक रूप से स्टंटबाजी न करें । वाहन के सभी प्रपत्र डिजिलॉकर और एम. परिवहनों एप पर मान्य हैं।

# एसपी ने नवनिर्मित पुलिस चौकी का फीता काटकर किया लोकार्पण

**ललितपुर।** एसपी ने पुलिस चौकी धौरीसागर, थाना गिरार के नवनिर्मित भवन का विधि विधान से बच्चियों से फीता कटवाकर व शिलापट्टिका का अनावरण कर उद्घाटन किया। एसपी ने कहा कि पुलिस चौकी स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों को पुलिस की तत्काल मदद मिल सकेगी और इससे सुरक्षा भी मजबूत होगी।

पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा पुलिस चौकी धौरीसागर, थाना गिरार के नवनिर्मित भवन का विधि विधान से बच्चियों से फीता कटवाकर व शिलापट्टिका का अनावरण कर उद्घाटन किया गया । उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत पुलिस अधीक्षक महोदय ने मौके पर उपस्थित नागरिकों, महिलाओं एवं बच्चियों से संवाद स्थापित किया ।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई । साथ ही साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल/लिंक से बचाव तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने के लिए जागरूक किया गया।

इसके अतिरिक्त बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनसमुदाय से अपील की गई कि वे ऐसे कृत्यों को रोकने में प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की सूचना समय से पुलिस को उपलब्ध कराएं ।

## हापुड़ में 4 साल की बच्ची को कार से रौंदा

**हापुड़।** हापुड़ में एक कार सवार ने 4 साल की बच्ची को कुचल डाला। इससे बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे बाद कार सवार मौके से फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी सामने आया है। जिसमें बच्ची दिख रही है। वह अपनी मां के पीछे-पीछे चल रही थी। तभी पीछे से आई कार ने बच्ची को टक्कर मारी और रौंदते हुए आगे निकल गई। कार के अगले और पिछले दोनों टायर बच्ची पर चढ़ गए थे। बच्ची की चीख सुनकर मां दौड़ी। तब तक आरोपी भाग निकला। बेटी का शव देखकर मां बेसुध हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना गढ़मुक्तेश्वर के ब्रजघाट पर मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे की है। बच्ची की पहचान शानिया (4) पुत्री डमरू के रूप में हुई। डमरू अपनी पत्नी और 3 बच्चों के साथ ब्रजघाट पर रहते हैं। परिवार ब्रजघाट तीर्थ नगरी में श्रद्धालुओं से मिलने वाले दान और भिक्षा के जरिए अपना जीवन यापन करता है। हादसे के समय शानिया अपनी मां के साथ सड़क पर चल रही थी। तभी एक तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया।

## एसपी ने मडावरा थाने के आवास, बैरक मैस का किया उद्घाटन

**ललितपुर।** एसपी ने मंडावरा थाने के उ. नि. मु.आ. आरक्षियों के आवास, मैस का किया उद्घाटन पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा थाना मड़ावरा के परिसर में स्थित कार्यालय, उ0नि0/मु0आ0/आरक्षी गण के आवास / बैरक, मेस आदि के जीर्णोद्धार की शिलापट्टिका का अनावरण कर , पूर्ण विधि-विधान पूर्वक उद्घाटन किया गया । उन्होंने पुलिस विभाग के इस प्रयास व जनता के सहयोग की सराहना की । महोदय द्वारा प्रभारी निरीक्षक व समस्त स्टाप को जनता की शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया । तत्पश्चात एसपी द्वारा उपस्थित व्यापारीगण/संभान्त नागरिकों से वार्ता की गयी और साइबर अपराध, मिशन शक्ति, यातायात नियम, बाल विवाह आदि के प्रति जागरूक किया गया । पुलिस अधीक्षक द्वारा यातायात नियमों के बारे में निम्न जानकारी देकर किया गया जागरुक।

दो पहिया वाहन चालक हेलमेट व चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट अवश्य लगायें, जिससे की किसी दुर्घटना के घटित होने पर वह सुरक्षित रह सके ।वाहनों पर निर्धारित संख्या में ही सवारियों को बैठाएं तथा नियंत्रित गति से वाहन चलाएं । शराब इत्यादि का नशा करके वाहन न चलाये सभी प्रकार के वाहनों पर निर्धारित मानक के अनुरुप नम्बर प्लेट लगाएं । ब्लैक फिल्म लगाकर वाहन न चलाये। वाहन चलाते समय स्टंटबाजी न करें। अपने वाहन में हूटर/मोडिफाइड साईलेन्सर/मानक के विपरीत तीव्र ध्वनि वाले होर्न का प्रयोग न करें।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों से अपील की गई कि सड़क दुर्घटना होने पर घायल को तत्काल उचित उपचार हेतु अस्पताल भेजने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें, जिससे कि गोल्डन ऑवर में घायल को उपचार दे कर उसके बहुमूल्य जीवन को सुरक्षित किया जा सके ।

जागरुकता कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गयी तथा साइबर अपराध से बचाव के सम्बंध में निम्न जानकारियाँ दी गई। डीप फेक, एआई, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया ।

## संक्षिप्त समाचार

### ईरान में प्रदर्शनकारियों को पुलिस का अल्टीमेटम

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान में जारी विरोध-प्रदर्शनों को लेकर पुलिस ने सख्त चेतावनी दी है। सोमवार को देश के राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख अहमद-रेजा रादन ने कहा है कि जिन लोगों ने दंगों में हिस्सा लिया है, वे 72 घंटे के भीतर सरेंडर कर दें। ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ 'कानून की पूरी ताकत' के साथ कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी समाचार एजेंसी स्नक्क ने दी है। रादन ने कहा, जो युवा अनजाने में दंगों में शामिल हो गए, उन्हें दुश्मन नहीं माना जाएगा। अगर वे तय समय के भीतर सरेंडर करते हैं, तो उनके साथ नरमी बरती जाएगी। ईरान में 28 दिसंबर से जारी हिंसक प्रदर्शन में अब तक 5,000 लोगों की मौत हो गई है। इनमें करीब 500 सुरक्षाकर्मी शामिल है। एक ईरानी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर रॉयटर्स को यह जानकारी दी है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शन शुरू में शांतिपूर्ण थे, लेकिन बाद में हिंसा में बदल गए। सरकार का आरोप है कि इसमें अमेरिका और इजराइल जैसे विदेशी दुश्मनों की भूमिका रही है।

### कराची के शॉपिंग मॉल की आग में मौतों की संख्या 14 तक पहुंची

**कराची, एजेंसी।** पाकिस्तान के कराची में गुल प्लाजा मॉल में आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। बचाव दल ने मलबे से आठ और शव बरामद किए। यह आग शनिवार रात मॉल के बेसमेंट, मीडियानिन और तीन अन्य मंजिलों में लगी थी। आग को रविवार रात तक काबू में कर लिया गया। आग लगने के बाद तुरंत छह लोगों की मौत हो गई थी। गुल प्लाजा में लगभग 1200 दुकानें थीं और यह मॉल 1980 के दशक से कराची का प्रमुख मार्केट रहा है। आग लगने के कारणों में शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई गई है, लेकिन जांच जारी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मलबे और कमजोर इमारत संरचना के कारण नुकसान और बढ़ सकता है। सिंध गवर्नर कमरान तेस्सोरी ने कहा कि 70 लोग अभी भी मलबे में फंसे हो सकते हैं। यह घटना कराची के इतिहास की बड़ी राष्ट्रीय त्रासदियों में से एक है।

### प्रिंस हैरी फिर कोर्ट में, ब्रिटिश टैब्लॉइड्स से संघर्ष जारी

**लंदन, एजेंसी।** ससेक्स के ड्यूक प्रिंस हैरी इस सप्ताह फिर कोर्ट लौट रहे हैं, जहां उनका ब्रिटिश टैब्लॉइड्स के खिलाफ कानूनी संघर्ष का तीसरा और अंतिम चरण शुरू होगा। हैरी इस मामले में प्रमुख वादी हैं, जिसमें कई मशहूर लोग जैसे एल्टन जॉन, अभिनेता एलिज़ाबेथ हर्ले और सैडी फ्रॉस्ट भी शामिल हैं। इन वादियों का आरोप है कि डेली मेल के प्रकाशक ने निजी जासूसों को काम पर रखा, जिन्होंने उनके कारों में छेड़छाड़ की, निजी रिकॉर्ड देखे और फोन कॉल्स को टेप किया, ताकि सनसनीखेज खबरें बनाई जा सकें। प्रकाशक ने इन आरोपों को गलत और अविश्वसनीय बताया है। लंदन की हाई कोर्ट में यह मुकदमा लगभग नौ हफ्तों तक चलेगा। 2023 में प्रिंस हैरी ने शताब्दियों में पहली बार रॉयल परिवार के वरिष्ठ सदस्य के रूप में गवाह के तौर पर बयान दिया था। इस मुकदमे में वह दूसरी बार गवाही देंगे।

### ड्रोन हमले से अंधेरे में दक्षिणी यूक्रेन के 2 लाख लोग

**कीव, एजेंसी।** ड्रोन हमले के कारण रूस के कब्जे वाले दक्षिणी यूक्रेन के दो लाख लोगों को रविवार की रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। इस बीच रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना जारी रखा है। रूसी हमले में दो लोगों की मौत भी हो गई। क्रेमलिन की तरफ से नियुक्त स्थानीय गवर्नर के अनुसार, यूक्रेन के दक्षिणी जापोरिज्जिया इलाके के रूस के कब्जे वाले हिस्से में दो लाख से ज्यादा घरों की बिजली गुल हो गई।

### वकील की मौत में हिंदू संत चिन्मय दास समेत 39 पर आरोप तय, अदालत ने मुकदमा चलाने का दिया आदेश

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चट्टोग्राम में नवंबर 2024 में एक वकील की मौत के मामले में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास और 38 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय कर दिए। चिन्मय दास बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता हैं। वह पहले इस्कॉन से जुड़े रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार किए जाने के बाद में चट्टोग्राम की अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर जेल भेज दिया था। दास की गिरफ्तारी के विरोध में अगले दिन ढाका और अन्य जगहों पर प्रदर्शन हुए। 26 नवंबर, 2024 को चट्टोग्राम में यह प्रदर्शन हिंसक हो गया, जिसमें जूनियर सरकारी वकील सैफुल इस्लाम आलिफ की मौत हो गई थी। सोमवार को चट्टोग्राम डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल के जज जाहिदुल हक ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोप तय किए।

# अमेरिका में भीषण बर्फीला तूफान, मिशिगन में इंटरस्टेट हाईवे पर 100 से ज्यादा वाहन टकराए

**मिशिगन, एजेंसी।** अमेरिका के मिशिगन राज्य में ग्रेट लेक्स क्षेत्र से आए भीषण बर्फीले तूफान ने भारी तबाही मचाई। सोमवार सुबह इंटरस्टेट-196 पर करीब 100 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए या सड़क से फिसलकर बाहर चले गए। यह हादसा ग्रैंड रैपिड्स के पास हडसनविल इलाके में हुआ।

**कई घायल, मौत की पुष्टि नहीं :** राज्य पुलिस के अनुसार, इस दुर्घटना में कई लोग घायल हुए हैं, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी की मौत की सूचना नहीं मिली है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ओटावा काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि सड़क पर कई वाहन फिसलकर पलट गए और कई ट्रक जैक-नाइफ स्थिति में फंस गए। हाईवे पर फंसे यात्रियों को बसों के जरिए हडसनविल हाई स्कूल पहुंचाया गया, जहां वे अपने परिजनों से संपर्क कर सके या वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था कर पाए।

**हाईवे पूरी तरह बंद :** इस बड़े हादसे के बाद मिशिगन स्टेट पुलिस ने सुरक्षा कारणों से इंटरस्टेट-196 को दोनों दिशाओं में बंद कर दिया। राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमों को सड़क से वाहनों को हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में 30 से ज्यादा सेमी-ट्रेलर ट्रक भी शामिल थे। अधिकारियों का कहना है कि सफाई कार्य के चलते इंटरस्टेट-196 को कई घंटों तक बंद रखा जा सकता है।

**सड़क पर गाड़ियां मुश्किल से दिखीं :** फॉक्स न्यूज से बात करते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम में अनावश्यक यात्रा से बचें।

**पूरे देश में असर :** यह हादसा उस बड़े शीतकालीन तूफान का हिस्सा है, जो पूरे अमेरिका में फैल रहा है। नेशनल वेदर सर्विस ने उत्तरी मिनेसोटा से लेकर विस्कॉन्सिन, इंडियाना, ओहायो, पेंसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क तक कड़ाके की ठंड और बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। एक दिन पहले बर्फबारी फ्लोरिडा पैनहैंडल तक पहुंच गई थी, जबकि मैसाचुसेट्स और शिकागो में फुटबॉल प्लेऑफ मैचों के दौरान खिलाड़ियों को गेंद पकड़ने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि उत्तर-मध्य फ्लोरिडा और दक्षिण-पूर्व जॉर्जिया में मंगलवार तक अत्यधिक ठंड पड़ सकती है।

लोगों ने बताया कि बर्फीली हवा के चलते आगे चल रही गाड़ियां भी मुश्किल से दिख रही थीं। एक पिकअप ड्राइवर ने बताया कहा कि वह 20 से 25 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चला रहे थे और किसी तरह अपना वाहन ट्रक रोक पाए। उन्होंने कहा पीछे से लगातार टकराने की आवाजें आ रही थीं। आगे तो दिख रहा था, लेकिन पीछे क्या हो रहा है, यह साफ नजर नहीं आ रहा था। हालात काफी डरावने थे।

**सैकड़ों लोग फंसे, स्कूल में ठहराया गया :** मिशिगन के ओटावा काउंटी शेरिफ ऑफिस ने बताया कि इलाके में कई जगह दुर्घटनाएं हुईं और कई ट्रक जैकनाइफ हो गए। कई कारें सड़क से फिसलकर बाहर चली गईं। फंसे हुए यात्रियों को बसों के जरिए हडसनविल हाई स्कूल ले जाया गया, जहां वे मदद के लिए कॉल कर सके या अपने घर जाने की व्यवस्था कर सके।

अधिकारियों का कहना है कि सफाई और वाहनों को हटाने का काम पूरा होने तक सड़क कई घंटों तक बंद रह सकती है। प्रशासन ने चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने और जमी हुई सड़क का ट्रीटमेंट करने में कई घंटे लग सकते हैं, इस दौरान इंटरस्टेट-196 बंद रहेगी।

**अमेरिका में कई राज्यों में बर्फीले तूफान का असर :** अमेरिका के कई राज्य इन दिनों बर्फीले तूफान का सामना कर रहे हैं। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी जारी की है कि उत्तरी मिनेसोटा से लेकर विस्कॉन्सिन, इंडियाना, ओहायो, पेंसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क तक बेहद ठंडा मौसम या बर्फीले तूफान की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक नॉर्थ-सेंट्रल फ्लोरिडा और साउथईस्ट जॉर्जिया में तापमान जीरो डिग्री तक गिर सकता है।

# नेपाल: जनकपुर में बालेन शाह की हुंकार, बोले-भाषण नहीं काम करके दिखाऊंगा

**जनकपुर, एजेंसी।** काठमांडो के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से पीएम पद के उम्मीदवार बालेन्द्र शाह बालेन ने जनकपुरधाम में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान बालेन ने कहा कि वे केवल भाषण देने वाले नेता नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने काठमांडो के कार्यों का उदाहरण देते हुए जनता से काम का अवसर मांगा। अपने संबोधन मं बालेन ने कहा कि अयोध्या में प्रतिवर्ष 10 करोड़ पर्यटक पहुंचते हैं, वहीं जनकपुर की जानकी माता में महज 1 करोड़ पर्यटक ही आते हैं। विश्व प्रसिद्ध राम-जानकी विवाह स्थल होने के बावजूद लोग डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए जयपुर-बाली जाते हैं, क्योंकि सरकार ने मिथिला को आकर्षक नहीं बनाया।

**प्रदेशों को व्यापक स्तर पर सशक्त बनाने की बात :** संघीयता पर बोलते हुए बालेन ने कहा कि आरएसपी प्रदेशों को इतना सशक्त बनाना चाहती है कि उन्हें अधिकारों के लिए काठमांडो न जाना पड़े। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जनता को काठमांडो केवल पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए जाना चाहिए, प्रशासनिक तबादलों जैसे छोटे कामों के लिए नहीं। बालेन ने स्वीकार किया कि मेयर रहते हुए कई बार वे गन्ना किसान और मीटर ब्याज पीड़ितों के आंदोलनों में कानूनन मजबूर थे, फिर भी उन्होंने 35 पालिकाओं तक एम्बुलेंस पहुंचाई।

**बालेन शाह ने मेयर पद से दिया इस्तीफा :** काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेन शाह ने 5 मार्च को होने वाले चुनाव लड़ने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। बालेन झापा-5 सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं, जहां उनका मुकाबला केपी शर्मा ओली से माना जा रहा है। इस कदम के बाद नेपाल की सियासत में नई हलचल तेज हो गई है। बता दें, नेपाल में हुई क्रांति का ये मुख्य चेहरा थे।

**नेपाल की राजनीति में नई पीढ़ी की एंट्री :** एक समय रैपर के रूप में पहचान बनाने वाले बालेन शाह ने 2022 में काठमांडू मेयर का चुनाव जीतकर राजनीति में नई सोच का संकेत दिया था। अब उनका प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनना नेपाल की राजनीति में पीढ़ीगत बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। झापा-5 की चुनावी जंग को इस बार बेहद रोचक और निर्णायक माना जा रहा है।

## अफगानिस्तान के काबुल शहर के एक होटल में धमाका, कई लोगों के मारे जाने की संभावना

**काबुल, एजेंसी।** अफगानिस्तान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के शहर-ए-नवा इलाके में सोमवार को एक होटल में भीषण बम धमाका हुआ। सूत्रों के अनुसार, इस हमले में विशेष रूप से चीनी नागरिकों को निशाना बनाया गया। धमाके में सात लोगों के मारे जाने की खबर है। विस्फोट से दर्जन भर लोग घायल भी हुए हैं। मामले में एक एनजीओ ने बताया कि उनके सर्जिकल केंद्र में 20 घायलों को लाया गया, जिनमें से 7 लोग अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ चुके थे।

अधिकारियों ने कहा कि धमाके के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। वहीं घायल लोगों को निकटस्थ अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं इस घटना के कारण इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और जांच शुरू कर दी गई है। बता दें कि घायलों में चार महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। चीनी मीडिया के अनुसार, इस हमले में दो चीनी नागरिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं और एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई है। काबुल सुरक्षा कमान के प्रवक्ता खालिद जादरान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि धमाका शहर के चौथे जिले की फ्लावर स्ट्रीट स्थित एक होटल में हुआ। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और धमाके की प्रकृति की जांच की जा रही है। फिलहाल किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। धमाके के सटीक कारण को लेकर जांच जारी अफगानिस्तान के इंटीरियर मिनिस्ट्री के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने कहा कि धमाके के कारण मौतें और चोटें हुई हैं। दूसरी ओर धमाके के सटीक वजह की अभी जांच की जा रही है। वहीं अफगानिस्तान के स्थानीय टीवी चैनल की फुटेज में देखा गया कि सड़क पर लोग दौड़ रहे थे और पीछे धुआं और धूल उठ रही थी। अभी तक धमाके में हुए मारे गए और घायल लोगों का विवरण नहीं मिला है।

## आसिम मुनीर बोले-पाकिस्तान बनने का मकसद पूरा होने वाला है

### इस्लामी देशों के बीच इसका खास दर्जा, इसकी अहमियत अब और बढ़ेगी

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने दावा किया कि इस्लाम के नाम पर बने पाकिस्तान का असली मकसद पूरा होने वाला है। उन्होंने ये बात रविवार को लाहौर में पाकिस्तानी अखबार द न्यूज इंटरनेशनल से कही। आसिम मुनीर यहां पूर्व पीएम शहबाज शरीफ के नाती जुनैद सफदर के वलीमा (रिसेप्शन) में शामिल होने आए थे। इसमें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नवाज शरीफ, मरियम नवाज, कई सीनियर नेता, मंत्री और सैन्य अधिकारी मौजूद थे। इस बातचीत में आसिम मुनीर ने कहा कि अल्लाह ने पाकिस्तान को एक ऐतिहासिक मौका दिया है, ताकि वो अपने बनने का मकसद हासिल कर सके और देश तेजी से उसी तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस्लाम के नाम पर बना था और आज उसे इस्लामिक देशों के बीच एक खास

दर्जा हासिल है। अब इसकी अहमियत और ज्यादा बढ़ेगी।

**मुनीर बोले- पाकिस्तान की हालात में बहुत सुधार हुआ :** आसिम मुनीर ने दावा किया कि दुनिया में पाकिस्तान की स्थिति और उसकी आर्थिक हालत में काफी सुधार हुआ है। जब उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही पहचान को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि अगर उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोई सराहना मिल रही है, तो वह भी अल्लाह की मेहरबानी है। उन्होंने कहा कि असल में यह पाकिस्तान को मिली पहचान है, किसी एक इंसान को नहीं। उनके इस बयान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से हुई मुलाकातों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ ने ट्रम्प को पाकिस्तान में दुर्लभ खनिजों और कच्चे तेल के रिसोर्स का भरोसा भी दिलाया, जिनकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है।

**आसिम मुनीर लगातार कट्टरपंथी बयान देते रहे हैं :** आसिम मुनीर ने अप्रैल 2025 में इस्लामाबाद में हुए ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन में कहा था कि टू नेशन थ्योरी ही पाकिस्तान की बुनियाद है। उन्होंने कहा था कि मुसलमानों और हिंदुओं के बीच बुनियादी फर्क है और दोनों एक नहीं, बल्कि अलग-अलग राष्ट्र हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की नींव कलमा पर टिकी है और इस सोच को आगे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना जरूरी है। आसिम मुनीर अपने भाषणों में इस्लामिक विचारधारा, टू नेशन थ्योरी और भारत के खिलाफ बयानबाजी पर जोर देते रहे हैं। आसिम मुनीर अपने पहले के सेना प्रमुखों से काफी अलग माने जाते हैं। पहले के ज्यादातर सेना प्रमुख पश्चिमी सैन्य संस्थानों में प्रशिक्षित पेशेवर सैनिक थे, जो धर्म और राजनीति से दूरी बनाए रखते थे। इसके उलट आसिम मुनीर हाफिज-ए-कुरान हैं और मजहब उनकी पब्लिक इमेज का अहम हिस्सा है। वह पाकिस्तान के ऐसे पहले अधिकारी हैं, जिन्होंने मिलिट्री इंटेलिजेंस और ढ्ढस्ढ्ढ दोनों की लीडरशिप की है। उनकी लीडरशिप में पाकिस्तानी सेना खुद को सिर्फ देश की रक्षा करने वाली ताकत नहीं, बल्कि इस्लाम की रक्षा करने वाली ताकत के रूप में भी पेश कर रही है।

# नोबेल शांति पुरस्कार विवाद: ट्रंप की नाराजगी, नॉर्वे PM बोले- सरकार नहीं, स्वतंत्र समिति देती है पुरस्कार

**ओस्लो, एजेंसी।** नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस संदेश पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने को लेकर नाराजगी जताई थी। प्रधानमंत्री स्टोरे ने साफ शब्दों में कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वे सरकार नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नोबेल समिति द्वारा दिया जाता है। स्टोरे ने बताया कि उन्होंने यह बात स्वयं ट्रंप को भी स्पष्ट रूप से समझाई है। उन्होंने कहा मैंने राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट किया है कि यह सर्वविदित तथ्य है कि नोबेल शांति पुरस्कार का निर्णय एक स्वतंत्र समिति करती है, न कि नॉर्वे सरकार। कैसे शुरू हुई बातचीत? प्रधानमंत्री स्टोरे के अनुसार, ट्रंप का यह

संदेश उस समय आया जब उन्होंने और फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने मिलकर अमेरिका द्वारा प्रस्तावित टैरिफ बढ़ोतरी का विरोध करते हुए ट्रंप को एक संदेश भेजा था। यह टैरिफ नॉर्वे, फिनलैंड और कुछ अन्य देशों पर लगाए जाने की बात कही गई थी। स्टोरे ने बताया कि उन्होंने स्थिति को शांत करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए ट्रंप के साथ फोन कॉल का प्रस्ताव भी रखा था। हालांकि, ट्रंप ने अपने जवाबी संदेश को अन्य नाटो नेताओं के साथ साझा करने का निर्णय लिया। नोबेल पुरस्कार पर ट्रंप की नाराजगी ट्रंप के संदेश में कहा गया कि नॉर्वे द्वारा उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार न दिए जाने से उनके वैश्विक राजनीति और गठबंधन नीति के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने 8 युद्ध रुकवाए, इसके बावजूद उन्हें यह सम्मान नहीं मिला। ट्रंप के संदेश का सबसे विवादास्पद हिस्सा ग्रीनलैंड को लेकर था। उन्होंने डेनमार्क के ऐतिहासिक और कानूनी अधिकारों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह इस क्षेत्र की सुरक्षा नहीं कर सकता। ट्रंप ने यहां तक दावा किया कि दुनिया तब तक सुरक्षित नहीं है, जब तक अमेरिका का ग्रीनलैंड पर पूर्ण नियंत्रण न हो। प्रधानमंत्री स्टोरे ने ग्रीनलैंड के मुद्दे पर नॉर्वे की स्थिति दोहराते हुए कहा कि ग्रीनलैंड डेनमार्क के साम्राज्य का हिस्सा है और नॉर्वे इस मामले में पूरी तरह डेनमार्क के साथ खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए नाटो जिम्मेदार और संतुलित भूमिका निभा रहा है। गौरतलब है कि ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि यदि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के देश ग्रीनलैंड को अमेरिका को बेचने पर सहमत नहीं होते हैं, तो उन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है।

## जेल में इमरान खान पर सैकड़ों पाबंदिया?: दावा- तीन महीने से अलग जेल में रखा, वकीलों से भी मिलने की अनुमति नहीं

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** अगस्त 2023 से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की तरफ से दावा किया जा रहा है कि इमरान खान को तीन महीने से अलग जेल (सोलिटरी कंफाइनमेंट) में रखा गया है और उन्हें अपने कानूनी वकीलों से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही। इमरान खान को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच सोमवार को उनकी पार्टी ने यह दावा किया।

पीटीआई ने कहा कि लंबे समय तक अलग जेल में रखने को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत हानिकारक और अमानवीय माना जाता है। पार्टी ने कहा कि खान को जेल मैनुअल में तय बुनियादी सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं।बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं, जो उनके अप्रैल 2022 में सरकार गिरने के बाद शुरू हुए।

**जेल में उनकी बैठकों पर लगाया प्रतिबंध :** बता दें कि इससे पहले पिछले महीने, सेना समर्थित शहबाज शरीफ सरकार ने उनके सभी जेल मीटिंग्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया, क्योंकि खान ने चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) फील्ड मार्शल असिम मुनीर के खिलाफ बयान दिया था। 4 दिसंबर को अपनी बहन से मिलने के बाद खान ने सोशल मीडिया पर कहा था कि असिम मुनीर

मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति हैं। खान की पार्टी ने क्या-क्या दावा किया? इमरान खान को लेकर उनकी पार्टी का कहना है कि पूर्व पीएम को पूरी तरह अलग कर रखा गया है और उन्हें वकीलों और परिवार से मिलने का अधिकार नहीं दिया गया, जो किसी भी कैदी का संवैधानिक अधिकार है। पार्टी ने सरकार से तुरंत वकीलों और परिवार को उनसे मिलने की अनुमति देने की मांग की है। पीटीआई ने यह भी कहा कि फरवरी 2024 के आम चुनाव में उनके अनुसार उनकी पार्टी का जनादेश चोरी कर पीएमएल-एन और पीपीपी को सत्ता में लाया गया और इसलिए वे आठ फरवरी को विशाल प्रदर्शन करने जा रहे हैं।

**मुनीर को लेकर खान ने क्या कहा था :** गौरतलब है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने अंतिम सोशल मीडिया पोस्ट में असिम मुनीर पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने लिखा था कि असिम मुनीर एक मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति हैं, जिनकी नैतिक गिरावट ने पाकिस्तान के संविधान और कानून के शासन को पूरी तरह ढहा दिया है, जिससे हर पाकिस्तानी के बुनियादी अधिकार असुरक्षित हो गए हैं।

# ट्रंप ने ग्रीनलैंड में भेजा 'नोराड' विमान, तनाव के बीच बड़ा फैसला

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** डेनमार्क समेत यूरोपीय देशों से जारी तनाव के बीच अमेरिका ने ग्रीनलैंड के सैन्य अड्डे पर उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (एनओआरएडी) का एक विमान तैनात करने का फैसला लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ये फैसला चौंकाने वाला है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ग्रीनलैंड के पिटुफिक अंतरिक्ष अड्डे पर एनओआरएडी का एक विमान तैनात करने का एलान किया। नोराड की ओर से कहा गया है कि विमान अलग-अलग पूर्व नियोजित गतिविधियों में सहयोग देने के लिए बेस पर पहुंचेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्रवाई डेनमार्क और ग्रीनलैंड के समन्वय से की जा रही है। नोराड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नोराड के विमान जल्द ही ग्रीनलैंड के पिटुफिक स्पेस बेस पर पहुंचेंगे। अमेरिका और कनाडा के मुख्य भूभाग में स्थित ठिकानों से संचालित होने वाले विमानों के साथ मिलकर, वे नोराड की गतिविधियों में सहयोग करेंगे। यह अमेरिका और कनाडा के साथ-साथ डेनमार्क साम्राज्य के बीच स्थायी रक्षा सहयोग को और मजबूत करेंगी।

**क्या ट्रंप का ये कदम ग्रीनलैंड पर कब्जे की ओर इशारा :** नोराड की ओर से बताया गया कि यह गतिविधि डेनमार्क साम्राज्य के साथ मिलकर की जा रही है और सभी सहायक बलों को जरूरी राजनयिक मंजूरी प्राप्त है। बताया गया है कि ग्रीनलैंड सरकार को भी गतिविधियों की जानकारी दी गई है। नोराड नियमित रूप से उत्तरी अमेरिका की रक्षा में लगातार अभियान चलाता है। ये अभियान नोराड के तीनों क्षेत्रों (अलास्का, कनाडा और महाद्वीपीय अमेरिका) में से एक या सभी के जरिए चलाए जाते हैं। अमेरिकी सेनाओं के साथ

डेनमार्क और अन्य देशों ने किया सैन्य अभ्यास अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ग्रीनलैंड को हासिल करने की धमकियों को लेकर वॉशिंगटन के साथ तनाव के बीच डेनमार्क की सेनाओं के नेतृत्व में हुए एक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास के बाद अमेरिका ने यह कदम उठाया है। जर्मनी, स्वीडन, फ्रांस, नॉर्वे, नीदरलैंड और फिनलैंड ने आर्कटिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अभ्यास में शामिल होने के लिए ग्रीनलैंड में थोड़ी संख्या में सैन्य कर्मियों को भेजा है। डेनमार्क ने अमेरिका को भी सैन्य अभ्यास में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। ग्रीनलैंड में बड़े पैमाने पर सैनिकों के तैनाती की संभावना डेनमार्क पहले से ग्रीनलैंड में करीब 200 सैनिक तैनात किए हुए है। इसके अलावा 14 सदस्यीय सीरियस डॉग स्लेज पेट्रोल भी वहां मौजूद है, जो आर्कटिक इलाकों में गश्त करते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि आने वाले दिनों में इन्हें जमीन, हवा और समुद्र के जरिए और मजबूत किया जाएगा। यह संख्या छोटी है, लेकिन यह राजनीतिक संदेश देने के लिए है कि नाटो एकजुट है। डेनमार्क की अगुआई में चल रहा ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस एक सैन्य अभ्यास है। इसका मकसद यह देखना है कि अगर भविष्य में ग्रीनलैंड में बड़ी संख्या में सैनिक तैनात करने पड़े, तो उसकी तैयारी कैसी होगी। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस अभ्यास का फोकस आर्कटिक इलाके में सहयोगी देशों के बीच तालमेल और काम करने की क्षमता बढ़ाने पर है। आगे चलकर इससे भी बड़ा मिशन लाने की योजना है, जिसे ऑपरेशन आर्कटिक सेंट्री कहा जा रहा है। यह एक नाटो मिशन होगा। इसका उद्देश्य ग्रीनलैंड और उसके आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ाना और किसी भी खतरे का सैन्य जवाब देने की ताकत मजबूत करना है। हालांकि यह मिशन तुरंत शुरू नहीं होगा। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के मुताबिक, ऑपरेशन आर्कटिक सेंट्री को शुरू होने में अभी कई महीने लग सकते हैं। यानी फिलहाल ग्रीनलैंड में कोई बड़ा नया सैन्य मिशन शुरू नहीं हुआ है, बल्कि उसकी तैयारी और योजना पर काम चल रहा है।

# आईसीसी बैठक में बांग्लादेश की टी20 विश्व कप मैच भारत से बाहर रखे जाने की मांग खारिज

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कांउंसिल (आईसीसी) ने यहां हुई एक बैठक के बाद बांग्लादेश की टी20 विश्वकप के लिए मैच स्थल बदलने की मांग खारिज कर दी है। इससे पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में खेलने से इंकार करते हुए कहा था कि उसके मैचों को श्रीलंका में रख दिया जाये। आईसीसी ने इस मामले में आंखिरकार अंतिम फैसला सुना दिया है। आईसीसी ने बीसीबी की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने खेलने की मांग को ठुकरा दिया है। इसे लेकर वोटिंग की गई और 14-2 के बहुमत के बाद बांग्लादेश की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग को खारिज किया गया। इसी के साथ ही अब यदि बांग्लादेश टीम भारत में नहीं खेलने की मांग पर अड़ी रहती है तो उसे टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। बांग्लादेश टूर्नामेंट में ग्रुप सी में है। उन्हें अपने पहले तीन मैच 7, 9 और 14 फरवरी को कोलकाता में और आखिरी मैच 17 फरवरी को मुंबई में खेलना है।

आईसीसी की बैठक इसके चेयरमैन जय शाह के साथ बीसीबी प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम, बीसीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया, श्रीलंका बोर्ड के प्रेसिडेंट शम्मी सिल्वा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, सीए चेयरमैन माइक बेयर्ड सहित सभी बोर्ड प्रमुख शामिल थे। गौरतलब है कि बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग की थी। अब अगर बीसीबी आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट से हटता है, तो आईसीसी स्कॉटलैंड को सीधे ग्रुप सी में शामिल कर लेगा।

## इंडोनेशिया मास्टर्स में सिंधु ने की जीत से शुरुआत, श्रीकांत भी अगले दौर में पहुंचे

**जकार्ता (एजेंसी)।** भारत की पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं अन्य खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा है।

सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर में जापान की मनामी सुइजू को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 22-20, 21-18 से हराया। 53 मिनट तक चले इस मैच का पहला गेम जीतकर सिंधु ने बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने ये सिलसिला बनाये रखा। दूसरे दौर में सिंधु का मुकाबला डेनमार्क की लाइन केयर्सफील्ड और चीनी की हान कियासी के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

वहीं पुरुष एकल में श्रीकांत को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। श्रीकांत ने जापान के कोकी वतनाबे (जापान) को 21-15, 21-23, 24-22 से हराया। यह मुकाबला 1 से अधिक समय तक चला। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच काफी कड़ा मुकाबला हुआ पर अंत में श्रीकांत ने बाजी मार ली। अब श्रीकांत का मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा। तिएन ने एक अन्य मुकाबले में आयरलैंड के न्हाट गुयेन को 21-14, 21-15 से पराजित किया।

भारत के ही किरण जॉर्ज पुरुष एकल के पहले दौर में ही इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्लाह से 21-17, 21-14 से हार गये। इसके अलावा महिला सिंगल्स में आकार्शी कश्यप को डेनमार्क की जूली डावॉल जैकबसेन ने 8-21, 22-20, 21-17 से पराजित किया। मिश्रित युगल में भी भारतीय खिलाड़ी असफल रहे। ध्रुव कपिला और तनिष क्रास्टो को फ्रांस की जूलियन माओ और लिया पालेर्मो की जोड़ी ने 21-23, 22-20, 21-6 से पराजित किया। इसके अलावा रोहन कपूर और रुथविका की जोड़ी को फ्रांस की थॉम गिकेल और डेल्फिन डेलरू के हाथों 21-9, 22-20 से हार का सामना करना पड़ा।

## आरसीबी और रॉयल्स 27 जनवरी तक बतायें घरेलू मैदान का नाम : बीसीसीआई

**मुम्बई (एजेंसी)।** आईपीएल के 2026 सत्र में घरेलू मैदान को लेकर राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मामला अभी तक हल नहीं हुआ है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इन दोनो को 27 जनवरी तक का समय दिया है। तब तक इन दोनो को बताना होगा कि ये दोनो अपने मैच घरेलू मैदान पर ही चाहते हैं या किसी अन्य स्थल को घरेलू मैदान मान सकते हैं। दोनो ही टीमों को शायद ही घरेलू मैदानों पर खेलने का अवसर मिल पाये। रॉयल्स को जयपुर इसलिए नहीं मिल सकता क्योंकि राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के चुनाव नहीं हुए हैं। वहीं बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 की जीत के बाद मैदान में हुए जश्न के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गयी थी। उसको देखते हुए अब आईपीएल आयोजक उसे यहां खेलने की अनुमति देंगे इसकी संभावना नहीं है। ऐसे में रॉयल्स अपने घरेलू मैच पुणे में खेल सकती है, जबकि आरसीबी डीवाई पाटिल स्टेडियम में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच रख सकती है। नवी मुंबई में मैच आयोजित कराने के लिए आरसीबी को मुंबई इंडियंस से अनुमति लेनी होगी, क्योंकि आईपीएल के नियमों के मुताबिक, एक शहर में दो टीमों के मैच आयोजित नहीं हो सकते हैं। आरसीबी के मालिक इसलिए भी बेंगलुरु के मैदान पर अधिक जोर नहीं देंगे कयोंकि नये कानून के अनुसार अगर कोई घटना होती है तो उन्हें जिम्मेदार माना जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होने वाली है और फाइनल मुकाबला 31 मई को आयोजित होगा।

## अंडर-19 यूथ विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजचुक ने 51 गेंदों ही शतक लगाकर वैभव का रिकार्ड तोड़ा

**विंडहॉक (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल मलाजचुक ने अंडर-19 विश्वकप में जापान के खिलाफ मुकाबले में 51 गेंदों में ही शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के अलावा एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। अब विल अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पाकिस्तान के समीर मिन्हास के नाम था। मिन्हास ने केवल 42 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं अपनी इस पारी से विल ने भारत के वैभव सूर्यवंशी का रिकार्ड जरुर तोड़ दिया वैभव ने 52 गेंदों में शतक लगाया था। इस मैच में विल की तूफानी पारी से ऑस्ट्रेलिया ने जापान को

आठ विकेट से हराकर ग्रुप-ए में लगातार दूसरी जीत हासिल की है।

इस मैच में जापानी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन बनाये। सबसे अधिक 79 रन ह्यूगो केली ने बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से नादोन कूराय ने तीन जबकि विल बायरम ने दो विकेट लिए। इसके बाद 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत धमाकेदार रही। विल मलाजचुक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन बनाये और 51 गेंदों में शतक लगा दिया।। इसके साथ ही वह विश्कप में सबसे तेज शतक लगाने वो दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। यूथ वनडे में सबसे तेज शतक का रिकार्ड पाकिस्तान के समीयर मिन्हास के नाम है। मिन्हास ने 42 गेंदों में ही शतक लगाया था। वहीं भारत के वैभव 52 गेंदों में शतक के साथ ही तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। मलाजचुक इस मैच में 12 चौके और पांच छक्के लगाकर 102 रन बनाये जबकि सैमुअल ने 60 रन बनाये जिससे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जापान को हरा दिया।

## पर्थ स्कॉर्चर्स बीबीएल लीग के फाइनल में पहुंची

पर्थ। पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम ऑस्ट्रेलिया में जारी घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। स्कॉर्चर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में सिडनी सिक्सर्स को 48 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। सिडनी सिक्सर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु करते हुए 9 विकेट पर 147 रन बनाए। उसकी ओर से फिन एलेन ने 30 गेंद पर सबसे अधिक 49 रन बनाये। वहीं कप्तान एश्टन टर्नर ने 29 जबकि झे रिचर्डसन ने 20 रन बनाये। सिडनी सिक्सर्स की ओर से मिचेल स्टार्क, बेन ड्वारशुईस और जैक एडवॉर्ड्स ने 2-2 विकेट लिए जबकिजोएल डेविस और बेंजामिन मानेंटी को 1-1 विकेट मिला। इसके बाद जीत के लिए मिले 148 रन रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिडनी सिक्सर्स के बल्लेबाज असफल रहे और टीम 15 ओवर में केवल 99 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे 48 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। स्टीव स्मिथ ने 24 गेंदों पर सबसे ज्यादा 37 रन की पारी खेली। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज पर्थ के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। बाबर आजम फिर फ्लॉप रहे और 2 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हो गए। वहीं स्कॉर्चर्स की ओर से महली बियर्डमैन ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि कूपर कोनोली और डेविड पायने को 2-2 विकेट मिले। झे रिचर्डसन और आरोन हार्डी ने 1-1 खिलाड़ी को आउट किया। लीग का फाइनल मुकाबला 25 जनवरी को खेला जाएगा।

## एम्बाप्पे ने दागे दो गोल, रियल मैड्रिड ने मोनाको को हराया

मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे ने अपने पुराने क्लबों में से एक के खिलाफ दो गोल किए जिससे रियल मैड्रिड ने घरेलू मैदान पर मोनाको को 6-1 से हराकर चैंपियंस लीग शुरुआती चरण के टॉप आठ में जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। स्ट्राइकर एम्बाप्पे ने मंगलवार को खेले गये मुकाबले में फेडे वाल्वरडे के थ्रू बॉल पर शानदार फिनिश के साथ पांचवें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को बढ़त दिलाई और फिर 26वें मिनट गोलकर हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। मैच का तीसरा गोल फ्रेंको मास्टांटोनो ने 51वें मिनट में किया। फिर थिलो केहरर ने 55वें मिनट में गेंद को अपने ही नेट में डाल दिया। विनिसियस जूनियर ने गोलकर स्कोर 5-0 किया और जूड बेलिंघम ने छठा गोल किया। वहीं मोनाको के लिए एकमात्र गोल जोर्डन तेजे ने किया।

## शुभमन अपने खिलाड़ियों का बेहतर प्रयोग नहीं कर पाये : अश्विन

चेन्नई। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बीच के ओवरों में प्रबंधन की कमी दिखी। अश्विन के अनुसार सही से गेंदबाज रोटेट नहीं किये गये। विशेषकर दूसरे ओर तीसरे एकदिवसीय में बीच के ओवरों में संसाधनों का सही से उसयोग नहीं किया गया जिससे मुकाबल भारतीय टीम के हाथों से निकल गये। अश्विन के अनुसार जब मैच दांव पर लगा था, तब शुभमन अपने सबसे बेहतर खिलाड़ियों का सही से उपयोग नहीं कर पाए। अश्विन ने डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ स्पिनर कुलदीप के इस्तेमाल के तरीके पर भी सवाल उठाये।अश्विन ने कहा, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की कप्तानी की इतनी तारीफ इसलिए होती रही है क्योंकि उन्हें पता होता है कि अपने संसाधनों का इस्तेमाल कहां और कब करना है और किस बल्लेबाज के खिलाफ। इस सीरीज में इस बात की थोड़ी कमी नजर आयी। अश्विन ने सुझाव दिया कि शुभमन के फैसले पिछले मैचों की विफलता से प्रभावित लग रहे थे, जिससे अहम तीसरे मैच उनके गेंदबाजों पर उनका भरोसा कम हो गया जबकि पिछले मैच के आधार पर किसी गेंदबाज को नहीं आंका जाना चाहिये। अश्विन ने कहा कि शुभमन के पास एक तरीका विफल होने पर प्लान बी नहीं था। उन्होंने कहा, अगर आप संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हैं और फिर भी असलता मिलती है, तो कोई बात नहीं पर पहले सही प्रकार से प्रयोग तो करें।

## प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ एस20 लीग में पूरी गंभीरता से खेलना होगा : स्टब्स

**जोहांसबर्ग (एजेंसी)।** (ईएमएस)। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने कहा है कि प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले एसए20 लीग के पहले क्वालीफायर में उनकी टीम को पूरी गंभीरता से खेलना होगा। स्टब्स के अनुसार ये मुकाबला आसान नीं रहेगा। इसलिए हमें जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने टीम को अतिआत्मविश्वास से बचने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है पर लीग चरण में शीर्ष पर होने से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। इसलिए बुधवार को होने वाले मैच में उन्हें अच्छी शुरुआत करनी होगी। गौरतलब है कि पहली बार स्टब्स की कप्तानी में खेलते हुए सनराइजर्स की टीम ने 10 मैच में से पांच मैच जीतकर तालिका में 28 अंक के साथ नंबर एक स्थान हासिल किया है।

स्टब्स ने कहा, ' लीग में नंबर एक होना जीत की गारंटी नहीं है। यह अच्छा है कि हमने पूरे सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन प्ले ऑफ से पहले हमें पता है कि आप हर मैच में शून्य से शुरुआत करते हैं। प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है लेकिन इसका कोई खास मतलब नहीं है।' गत उप विजेता सनराइजर्स ने अब तक चारों सत्र में प्ले ऑफ में जगह बनाई है और उन्होंने कहा कि पुराने अनुभवों से भी टीम को लाभ होगा।

स्टब्स ने कहा, 'निश्चित तौर पर मुझे तो ऐसा ही लगता है। मुझे लगता है कि हमारे पास बहुत से ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले भी इन मुकाबलों में खेल चुके हैं और जानते हैं कि इसे जीतने के लिए क्या करना पड़ता है। इससे निश्चित रूप से मदद मिलती है लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा, यह अब भी क्रिकेट का खेल है।।'

स्टब्स ने अपनी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की सराहना की जिन्होंने इस सत्र में चार अर्धशतक की मदद से 328 रन बनाये हैं। कप्तान ने कहा, 'डिकॉक ने हमारे लिए शानदार प्रदर्शन किया है। जिस तरह से उन्होंने मैदान पर और मैदान के बाहर आगे बढ़कर अगुआई की है वह युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छे रहे हैं।' स्टब्स ने क्रिस ग्रीन की भी जमकर तारीफ की जिन्होंने एमआई केपटाउन के खिलाफ खेलते हुए 29 रन देकर तीन विकेट लिए।

## ऑस्ट्रेलियन ओपन : डेनियल मेदवेदेव शुरुआती मुश्किलों से बचकर तीसरे राउंड में पहुंचे

मेलबर्न। रूस के डेनियल मेदवेदेव बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में फ्रांसीसी खिलाड़ी क्वेंटिन हैलिस के खिलाफ शुरुआती मुश्किलों से बच गए, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत करके 6-7(9) 6-3 6-4 6-2 से जीत हासिल की। मेलबर्न पार्क में तीन बार के फाइनलिस्ट मेदवेदेव ने पहले सेट में एक घंटे से ज्यादा समय तक संघर्ष किया, लेकिन एक कड़े टाईब्रेक के बाद हार गए। रूसी खिलाड़ी का दूसरे सेट में भी दुनिया के 83वें नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआती गेम तोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने अपनी लय वापस पाई और मैच बराबर कर लिया। 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने तीसरे सेट में बेसलाइन पर नियंत्रण रखा और शुरुआती ब्रेक पॉइंट को भुनाया और उसके बाद आक्रामक सर्विस गेम खेला। फिर मेदवेदेव ने हैलिस के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाते हुए ज़ोरदार ग्राउंडस्ट्रोक से जीत हासिल की और तीसरे राउंड में पहुंच गए। जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं ब्रिस्बेन में बहुत बेहतर खेल रहा था। मैं अभी भी यहां के कोर्ट के हिसाब से पूरी तरह से ढल नहीं पाया हूं। मुझे लगता है कि मेरे शॉट्स में थोड़ी पावर की कमी है। लेकिन जब आप किसी टूर्नामेंट में जीतते रहते हैं, तो आप धीरे-धीरे इसमें ढल जाते हैं। यह पिछले कुछ सालों में पहली बार है जब मैं किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में हूँ, इसलिए अच्छा महसूस कर रहा हूं।'

## घर से टी20 वर्ल्ड कप देखना थोड़ा अजीब लगेगा: रोहित शर्मा

**मुंबई (एजेंसी)।** भारत के 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान रोहित शर्मा जियोहॉटस्टार के 'कैप्टन रोहित शर्माज रोडमैप फॉर टी20 वर्ल्ड कप' में जतिन सप्रू के साथ बैठे, जहां उन्होंने पहले टी20 वर्ल्ड कप के बारे में बात की जिसमें वह हिस्सा नहीं लेंगे, अपने टीम के साथियों के साथ बनाए गए रिश्तों और बॉन्ड के बारे में अपने विचार शेयर किए, मुश्किल सिलेक्शन के फैसले लेने और आने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम के बारे में अपनी राय बताई।

रोहित शर्मा ने माना कि अपने करियर में पहली बार टी20 वर्ल्ड कप मिस करना उनके लिए एक अजीब एहसास होगा। उन्होंने कहा, 'हम घर पर इस बारे में बात कर रहे थे कि घर से इसे देखना अजीब लगेगा, खासकर टी20 वर्ल्ड कप। जब से यह शुरू हुआ है, तब से अब तक मैं हर वर्ल्ड कप का हिस्सा रहा हूं, इसलिए यह अलग लगेगा। जब मैं टीम को टी20 मैच खेलते हुए देखता हूं, तो मिस करने का एहसास उतना नहीं होता। लेकिन जब आप वर्ल्ड कप मिस करते हैं, तो असलियत का एहसास होता है। तभी आपको पता चलता है कि आप इसका हिस्सा नहीं बनने वाले हैं। तो यह थोड़ा अजीब लगेगा। हालांकि, मैं स्टेडियम में कहीं रहूंगा। यह वैसा नहीं होगा और यह एक अलग अनुभव होगा, लेकिन मैं असल में इसके लिए उत्सुक हूं। यह काफी शानदार होगा।'

अपनी कप्तानी के दौरान टीम के साथियों के बीच सम्मान पाने और रिश्ते बनाने के बारे में रोहित ने कहा, 'खिलाड़ियों के साथ अभी भी वैसा ही रिश्ता होना बहुत अच्छा लगता है और यही मैं हमेशा टीम में चाहता था, किसी भी चीज पर खुलकर बात करना, सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि जिंदगी के बारे में भी, खेल के बाहर की कोई भी बात। जिंदगी में क्या चल रहा है, घर पर क्या हो रहा है, इस तरह की बातें। मैं हमेशा वैसा ही इंसान बनना चाहता था, क्योंकि मुझे पता है कि जब आप पहली बार टीम में शामिल होते हैं, तो खुलने में समय लगता है। इसलिए, जब मैं यहां बैठा होता हूं या जब मैं टीम के ड्रेसिंग रूम में जाता हूं, तो मैं कभी नहीं चाहता कि किसी को ऐसा लगे कि उन्हें खुलने में समय लगेगा।'

भारतीय ओपनर ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि उन्हें लगे कि वे बस आकर खुलकर बात कर सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे सोचें कि उन्हें आकर बात करनी चाहिए या नहीं। मैं कभी नहीं चाहता था कि किसी के मन में ऐसा ख्याल आए। मैं जितना हो सके उतना खुला और सीधा रहने की कोशिश करता हूं, और इसीलिए ये लोग मेरा बहुत मजाक उड़ाते हैं। कोई सीमा नहीं है; हमेशा एक खुला दरवाजा होता है। साथ ही, हम एक-दूसरे की टांग खींचते हैं, खैर, हम नहीं, वे मेरी टांग खींचते हैं। मैं हमेशा ऐसा ही माहौल चाहता था, और मुझे यह सच में बहुत पसंद है।'

टीम में एकजुटता और पुरुष टी20 वर्ल्ड कप इंडिया और श्रीलंका 2026 के लिए भारतीय टीम के बारे में रोहित ने कहा, 'मुझे लगता है कि एकजुटता और आपसी भरोसा सबसे जरूरी चीजें हैं। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो ये खिलाड़ी लगभग 2 साल से एक साथ खेल रहे हैं। कुछ खिलाड़ी बाहर हुए हैं और कुछ नए आए हैं, लेकिन इसके अलावा, मुझे लगता है कि पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद से लगभग 80 से 90 प्रतिशत टीम वही रही है। जब मैं मैच देखता हूं, तो मुझे लगता है कि टीम में आपसी समझ बहुत अच्छी है, जो एक साथ खेलने से बनी है।'

रोहित ने कहा, 'एक अच्छी बात यह है कि कुछ अपवादों को छोड़कर, लगभग सभी खिलाड़ी एक ही उम्र के हैं। वैसे, मुझे लगता है कि औसत उम्र शायद 25 के आस-पास है, जो हमेशा अच्छा होता है, क्योंकि जब आप वर्ल्ड कप में जा रहे होते हैं, तो आपको बहुत सारी बातचीत, खुलकर बातचीत और कुछ मुश्किल बातचीत भी करनी पड़ती है, क्योंकि एकमात्र लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतना होता है। इसके लिए, अगर आपको कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़ते हैं, जिससे आपके साथ खेलने वाले किसी खिलाड़ी, यहाँ तक कि किसी करीबी दोस्त को भी बुरा लग सकता है, तो भी ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों के बीच इस तरह का रिश्ता बनाना बहुत जरूरी है।'

टी20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया 2022 टीम और उससे पहले एशिया कप से श्रेयस अय्यर को बाहर रखने पर उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड कप से पहले ऐसे मुश्किल फैसले लेने के कई मौके आए हैं। मुझे 2022 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान श्रेयस अय्यर की बात याद आती है। मुझे आज भी याद है कि हम वेस्टइंडीज में खेल रहे थे। राहुल भाई और मुझे हमेशा लगता था कि अगर आप ऐसे फैसले ले रहे हैं, तो यह जरूरी है कि उस खिलाड़ी को पता चले कि आप ऐसा क्यों कर रहे हैं। मुझे याद है कि हमने श्रेयस को पूल के पास बुलाया, और राहुल भाई और मैंने दोनों ने उससे बात की कि वह उस एशिया कप और उसके बाद होने वाले टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा क्यों नहीं होगा।'

## उथप्पा बोले, हर प्रारुप के लिए अलग-अलग कोच रखा जाये

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि भारतीय टीम के लिए अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच बनाये जाने चाहिये। उथप्पा के अनुसार एक ही कोच के लिए हर सीरीज के बाद अपने माइंडसेट को बदलाना आसन नहीं होता है। साथ ही कहा कि आजकल इतना क्रिकेट हो रहा है कि एक कोच मानसिक रुप से थक जाता है। कोच को हर प्रारुप के अनुसारन रणनीति बदलनी पड़ी है और ये काफी कठिन काम होता है। जिस प्रकार से भारतीय टीम उन्यूज़ीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में हारी है। माना जा रहा है कि उसी को उसको देखते हुए उथप्पा ने ये बयान दिया है। टीम की हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठते है। उनके कोच रहते भारतीय टीम घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद एकदिवसीय सीरीज भी हारी है। यह पहली बार था जब न्यूीलैंड टीम भारत में कोई एकदिवसीय सीरीज जीतने में सफल रही। ऐसे में उथप्पा के बयान के बाद गंभीर पर दबाव बढ़ना तय है। उथप्पा का मानना है कि एक ही कोच पर सभी प्रारुपों का बोझ डालना सही नहीं है। उथप्पा ने कहा, मैं अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच रखने के विचार के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। भारत बहुत ज्यादा क्रिकेट खेलता है। एक प्रारुप से दूसरे में जाते वक्त दिमाग भी थक जाता है। उन्होंने साथ ही कहा कि जब कोई कोच एक एक प्रारुप में लीन रहता है तो दूसरे की तैयारी करना कठिन हो जाता है। ऐसे में नये माइंडसेट और उर्जा की जरुरत होती है। एसे में अलग-अलग कोच रहना फायदेमंद रहेगा।उथप्पा ने हालांकि ये भी माना है कि कि अलग-अलग कोच रखने का फैसला करना आसान फैसला नहीं होगा। इसमें सभी कोचों को एक-दूसरे के साथ तालमेल रखते हुए काम करना होगा।

# एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के मुनाफे में 26 प्रतिशत का उछाल, 668 करोड़ रहा शुद्ध लाभ

**तीसरी तिमाही में मार्जिन और एसेट क्वालिटी में दिखा मजबूत सुधार; रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना बने नए ब्रांड एंबेसडर**

**मुंबई ।**

देश के प्रमुख एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के शानदार नतीजे घोषित कर दिए हैं। बैंक का शुद्ध लाभ (पीएटी) वार्षिक आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 668 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 528 करोड़ रुपये था। बैंक ने न केवल मुनाफे में बल्कि जमा राशि और ऋण वितरण में भी दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की है। जीएसटी दरों में कटौती और त्योहारी सीजन की मजबूत मांग ने बैंक के प्रदर्शन को नई ऊंचाई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य के लिहाज से यह तिमाही काफी महत्वपूर्ण रही। नेट इंटरेस्ट मार्जिन पिछली तिमाही के 5.5 प्रतिशत से बढ़कर 5.7 प्रतिशत हो गया है। सबसे उत्साहजनक पहलू बैंक की एसेट क्वालिटी रही है, जहां सकल एनपीए घटकर 2.30 प्रतिशत पर आ गया है। साथ ही बैंक की ऋण लागत में 34 प्रतिशत की बड़ी कमी देखी गई है, जो बेहतर जोखिम प्रबंधन और अनुशासित अंडरराइटिंग का प्रमाण है। जमा पुस्तक में भी 23.3 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे कुल जमा राशि 1.38 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

बोर्ड ने बैंक के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नेतृत्व के स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। उत्तम टिब्रेवाल अप्रैल 2026 के बाद भी डिप्टी सीईओ के रूप में कार्यभार संभालते रहेंगे, जबकि विवेक त्रिपाठी को होल टाइम डायरेक्टर (कार्यकारी निदेशक) के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया गया है। बैंक ने अपने गवर्नेंस ढांचे को और मजबूत करने के लिए तीन नए स्वतंत्र निदेशकों की भी नियुक्ति की है। तकनीकी मोर्चे पर बैंक अपनी प्रक्रियाओं को एआई-नेटिव आर्किटेक्चर में बदलने पर काम कर रहा है ताकि ग्राहकों को अधिक सुगम और सुरक्षित अनुभव मिल सके।

बैंक ने अपनी भौगोलिक उपस्थिति बढ़ाते हुए इस तिमाही में 100 नए टचपॉइंट जोड़े हैं, जिससे अब कुल नेटवर्क 2,726 केंद्रों तक पहुंच गया है।

## जनवरी में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई

**-कंपनी के रिफाइनिंग कारोबार पर भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा**

**नई दिल्ली।**

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए साल 2026 की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जनवरी में ही कंपनी के शेयरों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई। इससे पहले जनवरी में इतनी बड़ी गिरावट आखिरी बार 2011 में आई थी। करीब 19.12 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप वाली रिलायंस के शेयरों में आई इस गिरावट का असर सीधे निफ्टी 50 पर भी पड़ा, जो अब तक करीब 2 फीसदी फिसल चुका है। कंपनी के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों के बाद शेयरों में एक ही दिन में 3 फीसदी की गिरावट आई।

विशेषज्ञों के मुताबिक रिलायंस के रिफाइनिंग कारोबार पर भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा है। रूस से कच्चे तेल की सप्लाई घटने और फेट कॉस्ट बढ़ने से कंपनी के ऑयल-टू-केमिकल बिजनेस पर दबाव बढ़ा है। ब्रोकरेज के मुताबिक पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के चलते रिलायंस ने दिसंबर में रूस से तेल आयात में 32.4 फीसदी की कटौती की, जो फरवरी 2024 के बाद सबसे निचला स्तर है। जनवरी में भी रूसी तेल आयात कम रहने की संभावना है। हालांकि कंपनी वेनेजुएला से तेल आयात दोबारा शुरू करने पर अमेरिका से बातचीत कर रही है, जिससे रूसी तेल की कमी की भरपाई हो सकती है।

रिफाइनिंग और फ्यूल बिजनेस में वॉल्यूम ग्रोथ और बेहतर फ्यूल क्रैक्स से कुछ राहत मिली है, वहीं रिलायंस का रिटेल कारोबार कंपनी की कमजोर कड़ी बनकर उभरा है। रिलायंस रिटेल की नेट रेवेन्यू ग्रोथ सिर्फ 9 फीसदी रही, जबकि उसकी प्रतिद्वंद्वी एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने 13 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की। कंपनी ने इसके लिए त्योहारों की तारीखों में बदलाव और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन के डिमर्जर को जिम्मेदार ठहराया। त्योहारी सीजन में भारी छूट और क्विक कॉमर्स में किए गए निवेश के चलते मार्जिन पर भी दबाव पड़ा है। भारत में तेजी से बदलते उपभोक्ता व्यवहार के बीच अब ध्यान पारंपरिक दुकानों से ऑनलाइन और फिर क्विक कॉमर्स की ओर शिफ्ट हो रहा है। 10 मिनट में डिलीवरी वाले इस मॉडल में जहां बड़े मौके हैं, वहीं जोखिम भी कम नहीं हैं। हाल ही में जोमैटो, स्विगी और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स की तेज डिलीवरी मॉडल को लेकर आलोचना भी हुई है। हालांकि रिलायंस का दावा है कि उसका क्विक कॉमर्स बिजनेस पहले से ही मुनाफे में है।

## नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी का मसौदा जारी, बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश की तैयारी

**नई दिल्ली।** केंद्र की मोदी सरकार ने नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी का मसौदा जारी कर दिया है, इसके अंतर्गत देश के बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश और सुधारों की योजना तैयार की गई है। पॉलिसी के अनुसार, 2032 तक 50 लाख करोड़ रुपये और 2047 तक 200 लाख करोड़ रुपये का निवेश पावर प्रोडक्शन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर्स में होगा। इस नई पॉलिसी का मकसद पावर सेक्टर को वित्तीय रूप से मजबूत बनाना, इस कारोबारी रूप से सस्टेनेबल करना और 2047 तक प्रति व्यक्ति बिजली खपत को 4,000 यूनिट (किलोवॉट प्रतिघंटा) तक पहुंचाना है। इसके साथ ही बिजली आपूर्ति में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और गैर-जीवाश्म ऊर्जा की हिस्सेदारी को तेजी से बढ़ाने पर जोर है। ड्राफ्ट पॉलिसी में बताया गया है कि देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर वर्तमान में करीब 6.9 लाख करोड़ रुपये का घाटा है और उनका कुल बकाया कर्ज 7.18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। पॉलिसी में माना गया है कि मौजूदा बिजली दरें लागत के अनुरूप नहीं हैं और क्रॉस-सब्सिडी के कारण उद्योगों को महंगी बिजली मिल रही है, जिससे भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा कमजोर हो रही है। नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी के तहत केंद्र सरकार ने पावर डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर में एकाधिकार को खत्म करने का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए एक ही इलाके में एक से ज्यादा बिजली सप्लायरों को अनुमति देने, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को बढ़ावा देने और स्ट्रिब्यूशन कंपनियों को शेयर बाजार में सूची करने की योजना है। ड्राफ्ट में बताया गया हैं कि हर वित्त वर्ष की शुरुआत से पहले टैरिफ ऑर्डर जारी होना अनिवार्य होगा। बीते साल के खर्चों का समायोजन उसी वित्त वर्ष में होगा और डिस्ट्रिब्यूशन व सप्लाई टैरिफ को अलग-अलग दिखाया जाएगा। नियामकीय प्रक्रिया को 120 दिनों के भीतर पूरा करने की व्यवस्था का भी प्रस्ताव है। पॉलिसी के मुताबिक, वित्तीय साल 27 से बिजली दरें पूरी तरह लागत आधारित होंगी और रेगुलेटरी एसेट बनाने से बचा जाएगा। अगर राज्य नियामक आयोग समय पर टैरिफ तय नहीं करता है, तब दरों में ऑटोमैटिक सालाना संशोधन लागू हो सकेगा। इसके अलावा, बिजली खरीद लागत में बढ़ोतरी को हर महीने सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने और कीमतों में उतार-चढ़ाव को संभालने के लिए स्टेबलाइजेशन फंड बनाने का सुझाव दिया गया है।

# चीन को लेकर भारत के रुख में नरमी के संकेत

**नई दिल्ली।**

करीब पांच वर्ष पहले गलवान घाटी की घटना के बाद भारत सरकार ने चीन के प्रति सख्त रुख दिखाया था। चीनी कंपनियों के निवेश, सरकारी खरीद और उत्पादों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए, साथ ही देशभर में चीनी सामान के बहिष्कार किया गया। लेकिन बदलते वैश्विक राजनीतिक समीकरणों के बाद मोदी सरकार चीन को लेकर अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करती नजर आ रही है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2020 के बाद चीनी कंपनियों की भारत में निवेश और सरकारी टेंडरों में भागीदारी पर कई स्तरों पर रोक लगी थी। अब यह समझ बन रही है कि यदि कोई निवेश देश में रोजगार सृजन करता है और घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत करता है, तब उस निवेश को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार राष्ट्रवादी भावनाओं के बजाय अब आर्थिक लाभ और व्यावहारिक जरूरतों को महत्व दे रही है। हालांकि टेलीकॉम, रक्षा और रणनीतिक बुनियादी ढांचे जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध फिलहाल जारी रहेगा।

मोदी सरकार इसतरह के निवेश पर फोकस कर सकती है जो तकनीक हस्तांतरण के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराएं। नीति-निर्माताओं का मानना है कि निवेश को निवेशक की राष्ट्रीयता के बजाय उसकी गुणवत्ता और परियोजना की उपयोगिता के आधार पर आंका चाहिए। इसी दिशा में गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में चीनी कंपनियों को सरकारी खरीद में सीमित अनुमति देने पर भी विचार हो रहा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़े नियमों में भी आंशिक ढील की संभावना है। कड़ी जांच प्रक्रिया को कुछ क्षेत्रों, जैसे रिन्यूएबल एनर्जी और मैन्युफैक्चरिंग, में आसान किया जा सकता है। केंद्र सरकार का तर्क है कि यदि वस्तुओं का निर्माण देश में संभव है, तब विदेशी पूंजी और तकनीक के जरिए रोजगार बढ़ाया जाना चाहिए।

# कमजोर डॉलर और ग्रीनलैंड संकट ने आसमान पर पहुंचाए दाम

## सोना पहली बार 1.5 लाख पार, चांदी 10 हजार बढ़कर 3.20 लाख पर पहुंची

**सोने-चांदी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड!**

**नई दिल्ली।**

सोने और चांदी की कीमतें ताजा रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। कमजोर अमेरिकी डॉलर और ग्रीनलैंड संकट पर बढ़ते तनाव के बीच मजबूत सेफ-हेवन मांग से दोनों महंगी धातुओं के दाम में जमकर इजाफा हुआ। जापानी सरकारी बांडों में मंदी से अतिरिक्त समर्थन मिला। बुधवार को 10 ग्राम सोने की कीमत 151,575 पर खुली जबकि पिछले सत्र में यह 150,565 थी। कीमती धातु आज 153,831 प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। बुधवार को एमसीएक्स पर 1 किलोग्राम चांदी की कीमत 322,566 से शुरू हुई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 323,672 थी। सफेद धातु आज 1 किलोग्राम के लिए 326,487 की नई सर्वकालिक ऊंचाई पर पहुंच गई। अगर अमेरिकी टैरिफ और मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ता है, तो सोना 2026 के मध्य तक 1,90,000 के स्तर को छू सकता है।

**ग्लोबल टेंशन और ग्रीनलैंड विवाद**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने वैश्विक बाजारों बाजारों अस्थिरता बढ़ गई है। जब भी दुनिया में ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ता है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश यानी सोने की ओर भागते हैं।

**रुपए की रिकॉर्ड कमजोरी**

भारत में सोने की कीमत केवल वैश्विक दरों पर नहीं, बल्कि डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट पर भी निर्भर करती है। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 91.10 के ऑल-टाइम लो पर है। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी के अनुसार, रुपए की कमजोरी की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदे जाने वाले सोने की लैंडिंग कॉस्ट भारत

में बहुत महंगी हो गई है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतें 1.5 लाख के पार निकल गईं।

**सेंट्रल बैंकों की भारी खरीदारी**

दुनिया भर के केंद्रीय बैंक (जैसे भारत का आरबीआई) अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के लिए सोने का स्टॉक बढ़ा रहे हैं।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में रिकॉर्ड खरीदारी के बाद 2026 की शुरुआत में भी सेंट्रल बैंकों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे सप्लाई कम और डिमांड ज्यादा होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

## निफ्टी का रुझान कमजोर, गोल्ड ईटीएफ में खरीदारी की दी सलाह जो मजबूत तेजी में है

**नई दिल्ली।** शेयर बाजार में कमजोरी के संकेत और गहरे होते नजर आ रहे हैं। कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी इंडेक्स ने 25,473 के अहम स्तर को मजबूती से तोड़ दिया, जिसे तकनीकी रूप से एक बड़ा सपोर्ट माना जा रहा था। अब निफ्टी 200 दिन के मूविंग एवरेज के बेहद करीब पहुंच गया है, जो करीब 25,160 से 25,113 के बीच है। यह स्तर फिलहाल आखिरी बड़ा तकनीकी सहारा माना जा रहा है। एचडीएफसी सिक्यूरिटीज के सीनियर टेक्निकल और डेरिवेटिव एनालिस्ट के मुताबिक सभी टाइम फ्रेम पर निफ्टी का रुझान कमजोर बना हुआ है। अगर इंडेक्स 200डीएमए के नीचे चला जाता है, तो इसमें और बिकवाली देखने को मिल सकती है और निफ्टी 24,800 से 24,900 के स्तर तक जा सकता है। वहीं, अगर बाजार में थोड़ी रिकवरी आती है, तो 25,470 से 25,500 का दायरा अब रेजिस्टेंस के तौर पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा बाजार हालात में गोल्ड एक सुरक्षित विकल्प के तौर पर उभर रहा है। उन्होंने एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में खरीदारी की सलाह दी है। यह ईटीएफ इस समय मजबूत तेजी में है और सभी अहम मूविंग एवरेज के ऊपर ट्रेड कर रहा है। इसके साथ ही वॉल्यूम में भी बढ़ोतरी देखने को मिली। उनका कहना है कि बीते डेढ़ साल से गोल्ड एसेट क्लास लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। गोल्ड ईटीएफ में 129.58 के आसपास खरीदारी की सलाह दी गई है। इसमें स्टॉप लॉस 125 रखा गया है, जबकि ऊपर की ओर 136 का लक्ष्य बताया गया है। फिन निफ्टी इंडेक्स को लेकर एक्सपर्ट ने सावधानी बरतने की सलाह दी है। विनय रजानी के मुताबिक फिन निफ्टी ने डेली चार्ट पर एक बेयरिश हेड एंड शोल्डर पैटर्न से ब्रेकडाउन दिया है, जो कमजोरी का संकेत है। इसके साथ ही इंडेक्स ने 50 डीईएमए का सपोर्ट भी तोड़ दिया है और इस गिरावट के दौरान वॉल्यूम ज्यादा रहा है, जिससे कमजोरी की पुष्टि होती है। उन्होंने फिन निफ्टी जनवरी फ्यूचर्स में 27,200 के स्तर पर बिकवाली की सलाह दी है। इसमें 27,350 का स्टॉप लॉस रखने को कहा गया है, जबकि गिरावट में 27,000 का लक्ष्य दिया गया है।

## भारत पर लगे 50 फीसदी टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई

**-भारतीय निर्यातकों ने अमेरिका भेजे जाने वाले सामान की मात्रा घटाई**

**नई दिल्ली।** अमेरिका ने जब भारत से आने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया, तो माना जा रहा था कि भारतीय निर्यातक दबाव में कीमतें घटा देंगे, लेकिन यह गलत साबित हुआ। भारतीय निर्यातकों ने अपने दाम जस के तस रखे। घाटा उठाने के बजाय उन्होंने अमेरिका को भेजे जाने वाले सामान की मात्रा ही कम कर दी। जर्मनी की नई रिसर्च बताती है कि अमेरिका जाने वाला भारतीय निर्यात 18 से 24 फीसदी तक घट गया। इसके उलट यूरोप, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे दूसरे बाजारों में भारतीय निर्यात पर टैरिफ की मार नहीं पड़ी। इससे यह साफ हो गया कि टैरिफ का असर कीमतों पर नहीं बल्कि व्यापार की मात्रा पर पड़ा। रिसर्च में सबसे अहम सुराग कीमतों से मिला। अगर भारतीय निर्यातक टैरिफ का बोझ खुद उठा रहे होते, तो अमेरिका भेजे गए सामान के दाम दूसरे देशों के मुकाबले गिरते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका और यूरोपीय संघ, कनाडा व ऑस्ट्रेलिया को भेजे गए भारतीय सामान के दाम करीब एक जैसे रहे। इसका मतलब साफ है कि टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई। हालांकि यह तस्वीर भारत को राहत देने वाली नहीं है। दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात साल दर साल 1.83 फीसदी घटकर 6.88 अरब डॉलर रह गया। इससे भी बड़ा झटका जेम्स और ज्वैलरी सेक्टर को लगा, जहां अप्रैल से दिसंबर के बीच निर्यात 44 फीसदी से ज्यादा टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कील इंस्टीट्यूट ने जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच दुनिया भर के 2.5 करोड़ से ज्यादा व्यापारिक सौदों और करीब 4 ट्रिलियन डॉलर के कारोबार का विश्लेषण किया। अध्ययन में सामने आया कि वैश्विक स्तर पर लगाए गए टैरिफ का सिर्फ 4 फीसदी बोझ निर्यातकों ने झेला, जबकि पूरे 96 फीसदी की कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ी।

# शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

## सेंसेक्स 270, निफ्टी 75 अंक गिरा

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अमेरिकी सरकार के ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप से टकराव की आशंका से भी आई है। इससे घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा है क्योंकि निवेशकों ने दूरी बरतना जारी रखा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 270.84 अंक टूटकर 81,909.63 और 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 75 अंक नीचे आकर 25,157.50 पर बंद हुआ। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, डिफेंस, पीएसयू बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स के शेयर नीचे आये। इन सभी में 1.66 फीसदी की गिरावट रहीं। वहीं दूसरी ओर धातु, ऑयलएंडगैस, इन्फ्रा, एनर्जी और कमोडिटीज के शेयरों में खरीददारी हावी रही। आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 661.70 अंक नीचे आकर 57,423.65 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 149.85 अंक नीचे आकर 16,551.20 पर रहा। सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे जबकि आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एसबीआई, मारुति सुजुकी और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे। बाजार में बिकवाली का दबाव काफी बढ़ गया । बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में बढ़ने वाले शेयरों की संख्या 1,437 और गिरने वाले शेयरों की संख्या 2,831 और 137 शेयर बिना

किसी बदलाव के बंद हुए।।

इससे पहले आज सुंबह गिरावट पर खुला। सुबह सेंसेक्स 81,794 अंक पर खुला। सुबह यह 92.99 अंक बढ़कर 82,273.46 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह निफ्टी भी 25,141 अंक पर खुला। शुरुआत में ये 4.20 अंक की गिरावट के साथ 25,228.30 पर था। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजार में गिरावट में रहे। इसकी कारण ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका द्वारा यूरोपीय देशों को दी गई धमकी है। इससे जापान का निक्केई इंडेक्स 0.35 फीसदी टूटा। अमेरिका ने आठ यूरोपीय देशों पर 10 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो 1 फरवरी से लागू होगा और अगर ये ग्रीनलैंड मामले में विरोध करते रहे तो ये जून में बढ़कर 25 फीसदी हो जाएगा। वॉल स्ट्रीट में भी गिरावट रही। बाजार में उतार-चढ़ाव नवंबर के बाद सबसे ज्यादा स्तर पर पहुंच गया। एसएंडपी 500 और नैस्डैक दोनों इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा टूटकर बंद हुए। अब सभी की नजरे दावोस में हो रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर है। यहां दुनिया भर के नेताओं ने अमेरिका का विरोध किया है।

## जियो की लिस्टिंग और रिटेल कारोबार में तेजी से कंपनी को सपोर्ट मिलेगा

**-ब्रोकरेज ने स्टॉक पर टारगेट प्राइस बढ़ाया, मिल सकता है 30 फीसदी का रिटर्न**

**नई दिल्ली।** रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। तेल से लेकर रिटेल सेक्टर की कंपनी के शेयर बीएसई पर 1.4 फीसदी गिरकर 1391 रुपए पर बंद हुए। यह सेंसेक्स के सबसे ज्यादा गिरावट में रहने वाले शेयरों में शामिल रहा और इंडेक्स के सबसे बड़े नेगेटिव कंट्रीब्यूटर में से एक रहा। शेयर में जारी उतार-चढ़ाव के बीच ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर पर बुलिश आउटलुक दिया है। ब्रोकरेज का कहना है कि जियो की लिस्टिंग और रिटेल कारोबार में तेजी से कंपनी को सपोर्ट मिलेगा। सीएलएसए ने रिलायंस इंडस्ट्रीज पर बाय' की रेटिंग को बरकरार रखा है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर टारगेट प्राइस बढ़ाकर 1800 रुपए कर दिया है। इस तरह मौजूदा भाव से करीब 30 फीसदी का रिटर्न दे सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 1393 रुपए पर बंद हुए थे। ब्रोकरेज ने रिपोर्ट में कहा है कि जियो की लिस्टिंग साल 2026 के मध्य तक हो सकती है और यह इस साल कंपनी के लिए एक अहम घटना साबित होगी। ब्रोकरेज के मुताबिक मार्च 2027 तक रिलायंस के दूरसंचार कारोबार जियो का एंटरप्राइज वैल्यू करीब 161 अरब डॉलर आंका गया है। वहीं मार्च 2028 तक यह बढ़कर 190 अरब डॉलर हो सकता है। यह वैल्यूएशन वैश्विक कंपनियों की तुलना में 15 फीसदी प्रीमियम पर किया गया है, जिसमें फ्री कैश फ्लो को मुख्य आधार माना गया है। हालांकि ब्रोकरेज ने नए एनर्जी बिजनेस के लिए अपने मल्टिपल घटा दिए हैं। साथ ही रिटेल कारोबार के वैल्यूएशन में भी कटौती की है, जिसे दो साल पहले हुई हिस्सेदारी बिक्री के इक्विटी मूल्य से करीब 10 फीसदी कम माना गया है। ब्रोकरेज का कहना है कि क्विक कॉमर्स, एफएमसीजी और मीडिया कारोबार में संभावित बढ़त से भी कंपनी को अतिरिक्त मूल्य मिल सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का अक्टूबर-दिसंबर अवधि में कंपनी का नेट प्रॉफिट 18,645 करोड़ रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 18,540 करोड़ था। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसका ऑपरेशन से रेवेन्यू बढ़कर 2.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो अक्टूबर-दिसंबर 2024 में 2.43 लाख करोड़ रुपए था। रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम और डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स ने दिसंबर तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी ने बताया था कि बीते साल की समान तिमाही के मुकाबले उसका कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 11.3 फीसदी बढ़कर 7,629 करोड़ रुपए पहुंच गया।

# रुपया डॉलर के मुकाबले फिर धड़ाम, 76 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा

**डॉलर के मुकाबले 91.73 पर पहुंचा रुपया**

**नई दिल्ली।**

वैश्विक बाजारों में सतर्कता और डॉलर की मजबूत मांग के बीच बुधवार को भारतीय रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले तेज गिरावट के साथ रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 76 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर 91.73 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों का कहना है कि रुपये ने 16 दिसंबर, 2025 को अपना अब तक का सबसे निचला स्तर 91.14 दर्ज किया था और इस महीने अब तक स्थानीय मुद्रा में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई है।

फॉरेक्स कारोबारियों के अनुसार, बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता और अमेरिका से मिल रहे विस्तारवादी संकेतों के चलते निवेशकों में जोखिम से बचने का रुख बढ़ा है। इसका दबाव उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर बना हुआ है, जिसमें भारतीय रुपया भी शामिल है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 91.05 पर खुला और डॉलर के मुकाबले दिन के निचले स्तर 91.74 तक गिर गया। मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर 90.97 पर बंद हुआ।

रुपया क्यों हो रहा कमजोर?

सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के एमडी अमित पबारी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा व्यापार युद्ध की बयानबाजी को फिर से शुरू करने और ग्रीनलैंड पर अपना दबाव बढ़ाने से बाजार पहले से ही अस्थिर थे।

अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि डॉलर लगातार दूसरे दिन कमजोर हुआ। यह इस बात का संकेत है कि निवेशक न केवल जोखिम बल्कि दिशा पर भी सवाल उठा रहे हैं। पबारी ने आगे कहा कि लगातार वैश्विक बेचैनी, साथ ही 91.07 से ऊपर लगातार गिरावट, धीरे-धीरे 91.70-92.00 क्षेत्र की ओर द्वार खोल सकती है, जब तक कि आरबीआई के सक्रिय हस्तक्षेप द्वारा इसे रोका न जाए। उन्होंने कहा कि नकारात्मक गिरावट की ओर देखें तो, किसी भी सुधारात्मक गिरावट को 90.30-90.50 के दायरे में पहला समर्थन मिलने की संभावना है। इस बीच, डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापता है, 0.02 प्रतिशत गिरकर 98.61 पर कारोबार कर रहा था।

## कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आया फर्क

**नई दिल्ली ।** अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल क्रूड की कीमतों में आये बदलाव से देश भर में पेट्रोल डीजल की कीमतों पर भी प्रभाव पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 64 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गयी हैं जिससे घरेल बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर असर पड़ा है। इससे यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 14 पैसे बढीं हैं जिससे ये 94.88 रुपये लीटर पहुंच गया। वहीं डीजल की कीमतों में भी 17 पैसे की बढ़त रही जिससे ये 87.98 रुपये लीटर पहुंच गया है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल की कीमतें 12 पैसे कम हुई हैं जिससे ये 94.58 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे सस्ता होने के बाद 87.67 रुपये लीटर आ गया जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल की कीमतें 20 पैसे बढ़ी जिससे ये 105.73 रुपये लीटर पहुंच गया है। दूसरी ओर डीजल की कीमतें 19 पैसे बढ़ी हैं जिससे ये 91.96 रुपये लीटर आ गयी हैं कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे में गिरावट रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.83 डॉलर गिरकर 64.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई का भाव करीब 0.90 डॉलर बढ़त के साथ 60.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर।

## धनुष और मृणाल ठाकुर नहीं कर रहे शादी!

**मृणाल ठाकुर और धनुष की शादी को लेकर खबरें जोरों पर हैं। दोनों ने इस बात को लेकर कुछ नहीं कहा लेकिन फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। हालांकि, नई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ये बातें निराधार हैं और इनका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है।**

धनुष और मृणाल ठाकुर की शादी शुक्रवार की सुबह फैंस को खबर मिली कि एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और धनुष फरवरी 2026 में शादी करने वाले हैं। जैसे-जैसे यह खबर फैलती गई, फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करना शुरू कर दिया। हालांकि, अब पता चला है कि फैंस को इस खुशी के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। नई जानकारी के अनुसार, इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। सूत्र ने बताया, मृणाल की शादी अगले महीने नहीं हो रही है। यह एक अफवाह है जो फैल चुकी है। सूत्र ने आगे बताया कि मृणाल की फिल्म दो दीवाने शहर में की रिलीज भी उसी डेट के आसपास है, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं।

### मृणाल ठाकुर से नहीं हो रही धनुष की शादी

सूत्रों के अनुसार, फरवरी में उनकी एक फिल्म रिलीज होने वाली है, तो वो रिलीज के इतने करीब शादी क्यों करेंगी? और फिर मार्च में उनकी एक और तेलुगू फिल्म रिलीज होने वाली है। मृणाल और धनुष काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

### कब और कैसे शुरू हुआ ये सब

यह सब अगस्त 2025 में शुरू हुआ, जब मृणाल अपनी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के प्रीमियर पर धनुष के आने पर उनसे मिलने दौड़ पड़ीं। इस पर इंटरनेट यूजर्स ने खूब तारीफ की और कहा कि धनुष खास तौर पर मृणाल को सपोर्ट करने के लिए स्क्रीनिंग में आए थे।

## विक्रम फडनीस की फिल्म में लीड रोल प्ले करेंगी सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर नए साल की शुरुआत एक नए और खास प्रोजेक्ट के साथ करने जा रही हैं। वह मशहूर फैशन डिजाइनर से निर्देशक बने विक्रम फडनीस की अगली अनटाइटल्ड फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और यह सैयामी के करियर का एक अहम पड़ाव मानी जा रही है। यह फिल्म एक इमोशनल ड्रामा है, जिसमें सैयामी लीड रोल निभा रही हैं। उनके साथ विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस प्रोजेक्ट का निर्माण रील यूफोरिया और नाइट स्काई मूवीज के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म की घोषणा करते हुए सैयामी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सेट से पहली झलक साझा की। तस्वीर में वह फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा... और आज हर खामोश दुआ अपने घर पहुंच गई। नया साल, नई शुरुआत। हमेशा की तरह मुझे आप सभी की दुआओं की जरूरत है। इस पोस्ट से सैयामी की खुशी और उत्साह साफ झलक रहा है। इस फिल्म के जरिए विक्रम फडनीस निर्देशन में अपनी तीसरी फिल्म बना रहे हैं, जबकि यह उनकी पहली हिंदी निर्देशित फिल्म होगी। सैयामी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि 2026 की इससे बेहतर शुरुआत वह नहीं चाह सकती थीं। इस फिल्म में सैयामी खेर के अलावा विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी लीड रोल में दिखाई देंगे।

## किताब ब्लैक रिवर पर बेस्ड होगी सैफ की अगली फिल्म

बालीवुड एक्टर सैफ अली खान हमेशा से ही अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों के लिए जाने जाते हैं। एक बार फिर वह दर्शकों के लिए कुछ खास लेकर आने की तैयारी में हैं। आने वाले दिनों में सैफ फिल्म हैवान में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार मुख्य भूमिका निभाते दिखेंगे। यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बीच सैफ अली खान ने अपनी एक नई फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी साझा की है। एक्टर ने बताया कि उनकी अगली फिल्म एक क्राइम-ड्रामा होगी, जो एक मशहूर उपन्यास पर बेस्ड है। सैफ ने खुलासा किया कि उन्होंने लेखिका निलंजना रॉय की किताब ब्लैक रिवर के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। सैफ के मुताबिक... ब्लैक रिवर उनकी पसंदीदा किताबों में से एक है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि फिल्म बनने की प्रक्रिया में थोड़ा समय लग रहा है। बता दें कि सैफ को आखिरी बार फिल्म ज्वेल थीफ में देखा गया था। इसके अलावा सैफ को आखिरी बार ज्वेल थीफ में देखा गया था। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी।

## एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आ सकती हैं कृति शेट्टी

दक्षिण भारतीय फिल्म एक्ट्रेस कृति शेट्टी, बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आ सकती हैं। टाइगर ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक मिलाप जावेरी से हाथ मिलाया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसे टी-सीरीज अपने बैनर तले प्रोड्यूस करेगा। चर्चा है कि इस फिल्म में कृति शेट्टी नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग 21 जनवरी को शुरू होगी और दो महीने का शूटिंग शेड्यूल प्लान किया गया है। मुंबई की अलग-अलग लोकेशंस पर हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स फिल्माए जाएंगे, जो शहर की वाइब्रेंट बैकग्राउंड देगा। मेकर्स इस फिल्म को 2026 के दूसरे हाफ में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म का कोई टाइटल डिसाइड नहीं हुआ है। पूरी कास्ट और क्रू के बारे में और ऑफिशियल अनाउंसमेंट जल्द ही होने की उम्मीद है। बता दें कृति ने सुपर 30, एआरएम, श्याम सिंह रॉय, द वॉरियर, उप्पेना और बंगाराजू जैसी फिल्मों में काम किया है।

## ऑडियंस एजेंडे के साथ फिल्म देखने नहीं आती है

फिल्मों की रिलीज के साथ सोशल मीडिया पर अचानक फैलने वाली नेगेटिविटी आज एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। कई बार रिलीज से पहले ही किसी फिल्म या एक्टर को लेकर माहौल बना दिया जाता है, जिससे लोगों की राय पहले से तय होने लगती है। इसी मुद्दे पर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने अपने मन की बात रखी है। अमर उजाला डिजिटल से की गई बातचीत में रानी ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की है।

### ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ थिएटर नहीं आती

ऑडियंस हमेशा सही होती है। मैं आज भी यह नहीं मानती कि ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ फिल्म देखने आती है। लोग सिनेमाघर खुले दिल से आते हैं। लेकिन आज के दौर में खासकर सोशल मीडिया की वजह से, फिल्मों और कलाकारों को लेकर एक माहौल बना दिया जाता है। कुछ लोग या ऑडियंस का एक छोटा सा हिस्सा जान-बूझकर नेगेटिविटी फैलाता है। इस बात से मैं वाकिफ हूं।

### इंसान की फितरत नेगेटिव नहीं होती

मैं दिल से मानती हूं कि कोई भी इंसान नेगेटिव नहीं होना चाहता है। हर कोई अच्छा काम करना चाहता है। हर कोई प्यार करना चाहता है। हर कोई बदले में प्यार पाना चाहता है। इसी सोच के साथ मैं भी आगे बढ़ती हूं।

### सोशल मीडिया रिएक्शन पर राय

हां, आज सोशल मीडिया ऐसी जगह बन गया है, जहां लोग सही और गलत समझे बिना तुरंत रिएक्शन दे देते हैं। ऐसे में मैं बस यही दुआ करती हूं कि लोगों को थोड़ी समझ मिले। वह सोशल मीडिया पर एकदम से रिएक्शन की आदत से बचें।

### विजडम बेल बटन होना चाहिए

यह मेरा सुझाव है। (हंसते हुए) सोशल मीडिया पर जैसे लाइक और डिसलाइक का बटन होता है, वैसे ही कुछ लिखने या बोलने से पहले एक सोचने वाला बटन (विजडम बेल) भी होना चाहिए। जिससे इंसान एक पल रुककर सोच सके कि वह जो कहने जा रहा है, वो सही है या नहीं।

### बेटी को सोशल मीडिया से दूर रखा है

रानी मुखर्जी से जब उनकी बेटी अदिरा के सोशल मीडिया पर होने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ कहा कि बेटी अभी बहुत छोटी है। रानी की बेटी सोशल मीडिया पर नहीं है।

## कॉमेडी में नैतिकता अहम है

**रकुल प्रीत सिंह जल्द ही आयुष्मान खुराना और दो एक्ट्रेसेज के साथ फिल्म पति पत्नी और वो 2 में नजर आने वाली हैं।**

### सीक्वल की शुरुआत कैसे हुई?

सच कहूं तो मैं पार्ट 2 को लेकर पहले दिन से ही बेहद उत्साहित थी। पहले पार्ट के अंत में ही कहानी को एक दिलचस्प मोड़ पर छोड़ा गया था, जहां आयशा का नायक के परिवार से मिलना तय था। मैं मजाक में अक्सर लव रंजन से पूछती रहती थी सर, पार्ट 2 कब बनेगी? लेकिन कोविड के चलते चीजें टलती रहीं। जब लव सर और अंशुल सर ने बताया कि वे स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नरेशन सुनते ही स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैंने तुरंत हां कर दी। फिल्म में कॉमेडी सिर्फ संवादों में नहीं, बल्कि परिस्थितियों में भी है, जो इसे एक शानदार फैमिली एंटरटेनर बनाती है।

### फिल्म पति पत्नी और वो 2 की शूटिंग कितनी पूरी हुई है?

फिल्म का मुख्य हिस्सा शूट हो चुका है। कुछ गाने और कुछ छोटे-मोटे पैचवर्क बाकी हैं, लेकिन हम जल्द ही इसे पूरा कर लेंगे। यह भी एक बहुत ही मजेदार प्रोजेक्ट होने वाला है।

### क्या आप मल्टी-स्टारर फिल्म्स को लेकर अब ज्यादा चूजी हो गई हैं?

इस दौर में मेरे लिए सबसे अहम चीज इम्पैक्ट है। मुझे मल्टी-स्टारर फिल्मों से कोई परहेज नहीं है। पति, पत्नी और वो 2 भी एक मल्टी-स्टारर फिल्म है। मेरे लिए यह ज्यादा मायने रखता है कि मेरा किरदार कहानी में क्या योगदान दे रहा है। हर फिल्म आपके कंधों पर टिकी हो, यह जरूरी नहीं, लेकिन हर फिल्म में आपका किरदार यादगार होना चाहिए।

### अजय के साथ बॉन्डिंग कैसी रही?

अजय सर को अक्सर फ्रैंकस्टर कहा जाता है, लेकिन यकीन मानिए न तो पहले पार्ट में और न ही इस बार उन्होंने मेरे साथ कोई फ्रैंक किया। वह खुद मजाक में कहते हैं कि मैं बचपन में फ्रैंक करता था, अब शांत हो गया हूं। उनके साथ काम करना सीखने जैसा होता है। वे बेहद सहज हैं और सेट पर माहौल हल्का रखते हैं, जिससे कलाकार खुलकर परफॉर्म कर पाते हैं।

### आप किस तरह से किरदार की तैयारी करती हैं?

मेरा तरीका बहुत सरल है। जब मैं किसी सीन में होती हूं, तो सिर्फ उस पल और उस किरदार के भावनात्मक सच पर ध्यान देती हूं। मैं कभी यह सोचकर अभिनय नहीं करती कि मुझे यहां अच्छा दिखना है।

### क्या फिल्मों में शादीशुदा महिला के रिश्ते को भारतीय दर्शक स्वीकार करेंगे?

मुझे नहीं लगता कि हमारी ऑडियंस अभी इस तरह के प्लॉट के लिए पूरी तरह तैयार है। पति पत्नी और वो जैसी फिल्मों में पुरुष की चालाकी और उसकी उलझनों से कॉमेडी पैदा होती है, जिसे दर्शक मनोरंजन के तौर पर देख लेते हैं। लेकिन अगर कोई कहानी नैतिक रूप से गलत लगती है, तो फिर चाहे वह पुरुष हो या महिला, दर्शक उसे आसानी से स्वीकार नहीं करते। महिला के लिए ऐसा प्लॉट फिलहाल स्वीकार्य होना मुश्किल लगता है।

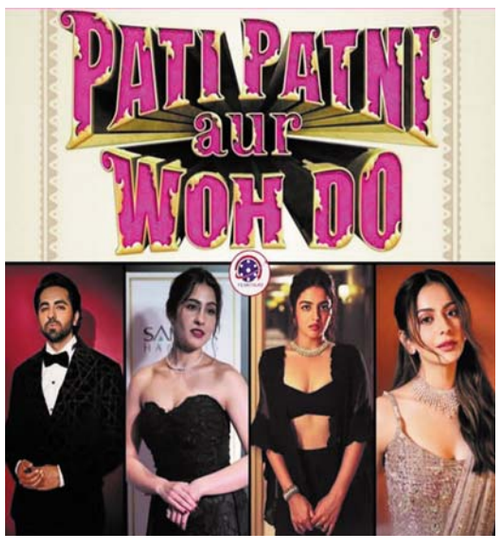


स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in